दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
● नई दिल्ली। गुरुवार 15 जनवरी -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 27 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

थाईलैंड में बड़ा हादसा : चलती ट्रेन पर क्रेन गिरने से 29 यात्रियों की दर्दनाक मौत, 30 लोग घायल

नई दिल्ली। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निमार्णाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 29 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है।

स्थानीय पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 29 हो गया। हादसे का शिकार हुई रेलगाड़ी उबोन रतचथानी प्रांत जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,

शेष, पृष्ठ 7

योगी सरकार के मंत्री को पुलिस ने नहीं पार करने दी गाजियाबाद की सीमाएं विजय नगर गेस्ट हाउस में तीन घंटे तक रखा हाउस अरेस्ट

- मंत्री बोले सपा- बसपा की मानसिकता वाले अधिकारी हैं तैनात

- प्रधानमंत्री-गृहमंत्री-सीएम से करेंगे शिकायत

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मेरठ के कपसाड गांव के लिए जा रहे संजय निषाद उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं। वह प्रदेश सरकार के समर्थन वाले दल में हैं। बुधवार को वह यूपी गेट से होते हुए मेरठ जाने के लिए निकले थे। सुरक्षा कारणों का हवाला लेते हुए गाजियाबाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया। मंत्री संजय निषाद को मेरठ नहीं जाने दिया गया है। इसके बाद मंत्री और उनके समर्थक यूपी गेट पर जमा हो गए। इसके बाद सभी को विजयनगर स्थित गेस्ट हाउस लेकर जाया गया, जहां संजय निषाद ने खुद को हाउस अरेस्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि वह इस पूरे मामले की शिकायत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से करेंगे और उनका प्रोटोकॉल है लेकिन अधिकारी बसपा और सपा की मानसिकता वाले हैं। उनको मेरठ जाने नहीं दिया गया है। उनका काफिला मेरठ जा रहा था लेकिन मामले को संज्ञा लेकर पुलिस प्रशासन ने उन्हें जाने नहीं दिया।

जिसको लेकर संजय निषाद ने नाराजगी दिखाई है। उन्होंने कहा कि अभी भी सरकार के भीतर ऐसे अधिकारी हैं, जिसमें सपा-बसपा मानसिकता दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मंत्री तक को रोका जा रहा है, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को अभी भी पूरा न्याय मिला है। पत्रकारों को दिए गए उनके बयान के बाद इस पूरे मामले की गंभीरता बढ़ गई है। बता दें कि मेरठ का कपसाड प्रकरण और मोनू कश्यप का मामला लगातार बाद गंभीर प्रकरण बनता जा रहा है।

मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा हम समर्थित दल के मंत्री हैं, हमारा प्रोटोकॉल है। सवाल उठाया कि जब मंत्री तक को रोका जा सकता है तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ अधिकारियों को ही करना है तो फिर चुनाव में भी वही सीट जीतवा दें।

यह प्रकरण मेरठ के कपसद गांव में हुए मोनू कश्यप से जुड़े घटनाक्रम के बाद और गंभीर होता जा रहा है।

नहीं रहे सिविल डिफेंस के पूर्व चीफ वार्डन धर्मपाल गर्ग

दिल्ली निगम बोध घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सिविल डिफेंस के पूर्व चीफ वार्डन धर्मपाल गर्ग का बुधवार को निधन हो गया। वह बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। धर्मपाल गर्ग के निधन का समाचार मिलते ही समाजिक जगत में शोक की लहर व्याप्त हो गई। धर्मपाल गर्ग गाजियाबाद के प्रतिष्ठित उद्योपति थे। वह श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर समिति के भी चेयरमैन थे। समाजिक और धार्मिक कार्यों में उनका सराहनीय योगदान रहता था। श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर समिति के जीर्णोद्वार और नए स्वरूप में उन्होंने बढ़-चढ़कर योगदान दिया था। वह गाजियबाद में सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन भी रहे हैं। बुधवार को ही स्वर्गीय धर्मपाल गर्ग का दिल्ली में निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया। धर्मपाल गर्ग पहले गाजियाबाद में रहते थे और कुछ वर्षों से वह दिल्ली में रह रहे थे।

जब मैदान पर उड़ाई सांसद अतुल गर्ग ने पतंग और किया सभी को दंग, कहा- पतंग काटना मेरी फितरत नहीं और पतंग कटने का मुझे नहीं है डर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर में सबसे पुराने रामलीला मैदान पर पतंगबाजी महोत्सव हुआ। मकर सक्रांति के पर्व पर आयोजित पतंगबाजी महोत्सव में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग पहुंचे। अतुल गर्ग का अपना अंदाज है और ये अंदाज ऐसा है कि वो माहौल को खुशनुमा कर देते हैं। सभी को बैटर फील कराते हैं। पतंगबाजी महोत्सव में सांसद अतुल गर्ग ने पूरी मस्ती के साथ जब पतंग उड़ाई तो सभी को दंग कर दिया। यहां पर सबसे खास बात ये रही कि उन्होंने पतंग उड़ाई लेकिन पेंच लड़ाने से इंकार कर दिया। पर्व का आनंद लिया मगर सांसद ने पतंग उड़ाने के बाद भी पेंच लड़ाने से क्यों इंकार कर दिया। वो राजनीति के खिलाड़ी हैं और सभी दांव पेंच जानते हैं। दैनिक करंट क्राइम ने पतंग को लेकर बात की और जब उनसे ये पूछा की आपने पतंग उड़ाई मगर पेंच लड़ाने से क्यों इंकार कर दिया। तो यहां सांसद अतुल गर्ग ने पतंग की डोर में ही अपने अध्यात्म और राजनीतिक दर्शन पर जोर दिया। उन्होंने पहले तो कहा कि मुझे पेंच लड़ाना नहीं आता और जब सवाल ये हुआ कि पतंग कटने का डर है या कुछ और बात है तो यहां उन्होंने कहा कि पतंग तो कटनी है और आज नहीं तो कल कटनी है। फिर उन्होंने कहा कि मुझे पतंग कटने से डर नहीं लगता। ये विधि का विधान है और मेरा अपना मानना है कि ना किसी की पतंग काटनी चाहिए और ना मैंने आज तक किसी की पतंग काटी है। जितना शांति से रहें वही उत्तम है। उन्होंने मकर सक्रांति के पर्व पर पतंग दर्शन के जरिए सियासी दर्शन की बात कही और कहा कि जो होना है वो तय है। हम हिंदु धर्म के लोग हैं और ना हम किसी की बुराई लेंगे और भलाई के काम करेंगे। जब उनसे करंट क्राइम ने पूछा कि अगर कोई आपकी पतंग काटने का प्रयास करे तो आप ऐसे में क्या करोगे।

यहां फिर से पतंग के जरिए सियासी दर्शन की बात आई और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि कुछ चीजें स्वाभाविक होती हैं। कुछ चीजें प्रकृति द्वारा निर्धारित होती हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया और कहा कि कई बार मुझ जैसे लोग होते हैं और जब उन्हें अपेक्षा के अनुरूप पद नहीं मिलता तो उनका गुस्सा स्वाभाविक है वो पतंग काटने का प्रयास कर सकते हैं। मेरी पूरी सिम्पैथी उनके साथ है।

उन्होंने कहा कि किसी की पतंग कटती नहीं है यह वहम है, सोच का फर्क है। कुल मिलाकर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने पतंग उड़ाई और पेंच नहीं लड़ाये। संदेश दिया कि बिना किसी की पतंग काटे ही अपनी पतंग उड़ाई जा सकती है।

ऐसा कहना सांसद अतुल गर्ग की विद्वता है : सुनील शर्मा

करंट क्राइम। शहर विधानसभा में पतंग महोत्सव मनाया गया और सांसद अतुल गर्ग ने पतंग उड़ाई। नदिया के इस पार पतंग उड़ी है तो क्या नदिया के उस पार भी पतंग उड़ी है। ये जानने के लिए दैनिक करंट क्राइम ने साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा से बात की। सुनील शर्मा ने कहा कि मैंने जिंदगी में पतंग नहीं उड़ाई। जब करंट क्राइम ने उनसे पूछा कि सांसद अतुल गर्ग ने पतंग उड़ाई है लेकिन किसी की पतंग काटने से उन्होंने इंकार कर दिया। आपका इस पर क्या कहना है। तो यहां कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि सांसद अतुल गर्ग पतंग उड़ाना भी जानते हैं और पतंग काटना भी जानते हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि किसी की पतंग नहीं काटनी चाहिए तो यह विद्वान लोगों की भाषा है। जिस तरह से अतुल गर्ग ने अपनी बात कही है, ऐसा कहना उनकी विद्वता है। हालांकि पतंगबाजी महोत्सव में सुनील शर्मा के ना पहुंचने और पतंग ना उड़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे इस कार्यक्रम की कोई सूचना मिली थी और ना कोई निमंत्रण था और फिर मुस्कुराकर कहा कि वैसे भी पतंगबाजी वाला मैदान तो शहर विधानसभा का है।

हाउस टैक्स अपडेट

16 जनवरी को स्पष्ट होगी सुनवाई की अगली डेट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम में हाउस टैक्स का मामला फिलहाल हाईकोर्ट में लंबित है। इस संबंध में 15 जनवरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन मकर संक्रांति पर घोषित सरकारी अवकाश के चलते कोर्ट की कार्यवाही नहीं हो सकी। इसके बाद अब अगले आदेश व सुनवाई की तारीख का इंतजार किया जा रहा है। मामले को कोर्ट में पर्सनली फॉलो कर रहे पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने बताया कि अब 16 जनवरी को यह स्पष्ट होगा कि हाउस टैक्स केस में अगली डेट कौन-सी तय होगी। बता दें कि गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर पहले से ही नगर निगम व पूर्व पार्षदों के पक्ष के बीच मामला चल रहा है, ऐसे में अगली सुनवाई की तारीख को लेकर शहर में निगाहें टिकी हैं।

महिला आईपीएस अधिकारी संभालेंगी 26 जनवरी में प्रथम कमांडर की कमान, अधिकांश टोली में 2023 बैच वाले आएंगे प्रमुखता से नजर

दरोगाओं की टोली चलेगी सबसे आगे और सिविल डिफेंस भी दिखाएगी दम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस है और गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस लाइन पुलिस कमिश्नरेट के ग्राउंड पर परेड की रिहर्सल शुरू हो गई है। 26 जनवरी को आयोजित होने वाली इस सालाना परेड में इस बार आईपीएस अधिकारी डॉ.एस दीप्ति चौहान 2023 संभालने जा रही हैं।

उनको परदे का प्रथम कमांडर बनाया जा रहा है। तो वहीं द्वितीय परेड कमांडर के रूप में इंस्पेक्टर को जिम्मेदारी सौंपी गई है और तीसरे परेड कमांडर ट्रैफिक के सब इंस्पेक्टर रहेंगे। इसके बाद 2023 बैच के उप निरीक्षक अधिकांश टोलियों में लीड करते हुए नजर आएंगे। वह कंधे से कंधा मिलाने का काम करेंगे, तो कदम ताल में भी मिलकर चलेंगे।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के मैदान में आयोजित होने वाली सालाना गणतंत्र दिवस परेड के लिए इन दिनों पुलिस लाइन में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी पसीना बहा रहे हैं और परेड को सफल बनाने के लिए मेहनत की जा रही है।

सबसे आगे चलेगी दरोगाओं की टोली

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्रों से जानकारी मिली है कि गणतंत्र दिवस की परेड में सबसे पहले टोली दरोगाओं की रहेगी। इसमें 2023 बैच के अधिकांश दरोगा रहेंगे, तो इसके बाद ट्रैफिक विभाग की टोली चलेगी। इसके साथ ही तीनों जोन के पुलिस कर्मियों की तीन अलग-अलग टोली होगी और पुलिस ऑफिस के कर्मचारियों और अधिकारियों की भी एक टोली को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि अधिकांश टोलियो में 2023 बैच के महिला और पुरुष सब इंस्पेक्टर लीड रोल में नजर आएंगे।

पीएसी और सिविल डिफेंस भी दिखाएंगे दम

करंट क्राइम : 26 जनवरी को गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाली सालाना परेड में जहां पीएसी की एक टोली मौजूद रहेगी। तो महिला सब इंस्पेक्टर की भी एक टोली रहेगी। इसके साथ ही एनसीसी और सिविल डिफेंस की भी विशेष टोली रहेगी, जो अपना दम कम दिखाने का काम करेगी।

तिरंगी थीम में सजेगा परेड ग्राउंड, तैयारी जोर पर

करंट क्राइम :गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाली परेड को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परेड ग्राउंड को इस बार विशेष रूप से तिरंगी थीम पर सजाया जाएगा। ग्राउंड में तिरंगी रंगों की रंगोली बनाई जाएगी, वहीं चारों ओर तिरंगी झंडियों से सजावट होगी। इसके अलावा पुलिस वाहनों पर भी तिरंगा थीम आधारित गुब्बारों से डेकोरेशन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौन होगा, इस पर जल्द अंतिम निर्णय लिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रित किया जाएगा।
गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर जे रविंद्रर गौड ने कहा कि 26 जनवरी की परेड अनुशासित और प्रोफेशनल तरीके से आयोजित की जाएगी।

सरधना पहुंचे मंत्री नरेंद्र कश्यप मृतक सोनू के परिवार को दिया हौसला

परिवारजनों को एक लाख निजी सहायता भी दी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सरधना क्षेत्र में युवक सोनू कश्यप की हत्या के बाद बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री (दिव्यांगजन) एवं ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ज्वालागढ़ गांव पहुंचे। यहाँ उन्होंने मृतक सोनू के परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मौके पर मौजूद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष व गंभीर जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ह्ययोगी सरकार में अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मृतक सोनू के परिवार को निजी तौर पर एक लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर से मिलने वाली सहायता और सुविधाएं भी दिलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पीड़ितों को न्याय और दोषियों को सजा मिलेगी। सोनू हत्याकांड समेत मेरठ की घटनाओं को लेकर विपक्ष की सक्रियता पर भी मंत्री ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ के लिए माहौल गर्म करने की कोशिश कर रहा है, जबकि पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं और सहयोग नहीं दिखा रहा।

कलकत्ता हाईकोर्ट से सीएम ममता बनर्जी को तगड़ा झटका

टीएमसी की याचिका हुई खारिज, ईडी ने अदालत में कहा-कुछ भी जब्त नहीं किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी से जुड़े विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। ऐसे में बुधवार को सुनवाई के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने ईडी के इस बयान को रिकॉर्ड किया कि उसने 8 जनवरी को फर्म के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस से कुछ भी जब्त नहीं किया था।

ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने जो कुछ भी अपने कब्जे में लिया था, उसे सीएम ममता बनर्जी ले गईं। इससे पहले ईडी ने हाई कोर्ट को बताया कि पिछले हफ्ते आईपैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस पर हुई तलाशी के सिलसिले में दायर याचिकाओं को टाल दिया जाए। वहीं तृणमूल कांग्रेस के वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि पार्टी सिर्फ अपने डेटा की सुरक्षा चाहती है।

वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील कल्याण बनर्जी ने प्रवर्तन निदेशालय की सुनवाई टालने की अपील पर आपत्ति जताई। दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसी ने हाई कोर्ट में अपनी याचिका में मुख्यमंत्री को भी एक पक्ष बनाया है। ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जस्टिस सुव्रा घोष की बेंच के समक्ष कहा कि एजेंसी हाई कोर्ट में मामलों को टालने की मांग कर रही है, क्योंकि उसने इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि जब कोई मामला सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग हो, तो हाई कोर्ट को उस पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए।

इससे पहले इस मामले की सुनवाई तय तारीख पर नहीं हो सकी थी, क्योंकि अदालत परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई थी। जिसके चलते 9 जनवरी को अदालत ने सुनवाई को स्थगित कर दिया था।

ईडी ने क्या कहा? : 9 जनवरी को ईडी ने अपनी याचिका में दावा किया है कि इस घटना में राज्य के सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व की सीधी भागीदारी थी और पुलिस बल का दुरुपयोग किया गया। एजेंसी ने अदालत से आग्रह किया है कि वह सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मुख्यमंत्री सहित सभी संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच करने का निर्देश दे। एजेंसी ने कहा कि सीबीआई की जांच जरूरी है, क्योंकि कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने लगातार यह माना है कि जहां राज्य में ऊंचे और शक्तिशाली लोग संज्ञेय अपराधों को करने में शामिल होते हैं, वहां जांच सीबीआई को ट्रांसफर कर दी जानी चाहिए।

ईडी ने सर्च वाली जगहों से अवैध रूप से और जबरदस्ती ले जाए गए सभी डिजिटल उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, स्टोरेज मीडिया और दस्तावेजों को तत्काल जब्त करने, सील करने, फोरेंसिक संरक्षण और ईडी की कानूनी हिरासत में वापस करने की भी मांग की थी।

टीएमसी ने भी दायर की थी याचिका : इस मामले को लेकर टीएमसी ने क-ढअउ पर ईडी की छापेमारी के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। टीएमसी की याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता टीएमसी बंगाल में एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रही है और विरोध कर रही है। इसलिए ईडी टीएमसी के पॉलिटिकल स्ट्रैटेजी ऑफिस (क-ढअउ) और को-फाउंडर के घर पर तलाशी और जब्ती कर रही है। टीएमसी की याचिका में यह भी कहा गया है कि एजेंसी ईडी ने गैर-कानूनी तरीके से गोपनीय डेटा जब्त किया है।

क्या है मामला? : ईडी ने गुरुवार (8 जनवरी) को कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में क-ढअउ के सॉल्ट लेक ऑफिस और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी की थी। एजेंसी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पुलिस की मदद से जैन के आवास में जबरन घुस गईं और अधिकारियों के मना करने के बावजूद अहम डिजिटल सबूत और दस्तावेज अपने साथ ले गईं। ईडी के मुताबिक, इस कारण तलाशी अभियान विफल हो गया और कोई जब्ती नहीं हो सकी।

सूर्यदेव सबका कल्याण करें... पीएम ने मकर संक्रांति माघ बिहू और उत्तरायण की देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। मकर संक्रांति फसल से जुड़ा एक उत्सव है जो देश के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया जाता है। संक्रांति के दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और इसे उत्तरायण पर्व भी कहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्न पर बैक टू बैक पोस्ट में मकर संक्रांति, माघ बिहू और उत्तरायण की देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने दी बधाईयां : पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'सभी देशवासियों को मकर संक्रांति की असीम शुभकामनाएं। तिल और गुड़ की मिठास से भरा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का यह दिव्य अवसर हर किसी के जीवन में प्रसन्नता, संपन्नता और सफलता लेकर आए। सूर्यदेव सबका कल्याण करें।' पीएम मोदी ने कहा कि संक्रांति का यह पवित्र पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है। मैं भगवान सूर्य से सभी की खुशी, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

उत्तरायण और माघ बिहू की शुभकामनाएं : पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि उत्तरायण के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं! मकर संक्रांति का यह पवित्र त्योहार आपके जीवन को खुशियों से भर दे और सभी को अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद मिले। यह आनंदमय उत्सव एकजुटता के बंधन को और मजबूत करे और सभी के लिए समृद्धि और सकारात्मकता लाए।

प्रधानमंत्री ने असम और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में मनाए जाने वाले त्योहार माघ बिहू की भी लोगों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माघ बिहू फसल, समृद्धि, खुशहाली और एकता का उत्सव है। यह त्योहार हर घर में समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लाए। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता और सद्भाव की भावना हमें उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर करती रहे।

मुरुगन के घर गौ सेवा के बाद बोले पीएम मोदी-पोंगल अब वैश्विक, प्रकृति के संरक्षण पर भी जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन के निवास पर आयोजित पोंगल उत्सव में शामिल हुए। इसके साथ ही उन्होंने गौ सेवा भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पोंगल अब एक वैश्विक त्योहार बन गया है और तमिल संस्कृति पूरे भारत की साझा धरोहर है। पीएम मोदी ने बताया कि पोंगल लोगों को यह सिखाता है कि प्रकृति के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रेरित करता है कि प्रकृति के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित न रहे। उसे हम जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है तो उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है। अगली पीढ़ी के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना और पानी को बचाना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना सबसे जरूरी है।

पोंगल वैश्विक त्योहार बन गया : प्रधानमंत्री ने कहा आज पोंगल एक वैश्विक त्योहार बन गया है। पिछले साल मुझे तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला। यह संस्कृति केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा धरोहर है। पीएम मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति में किसान को जीवन की आधारशिला माना गया है। उन्होंने 'तिरुक्कुरल' का हवाला देते हुए कहा कि इसमें कृषि और किसानों के महत्व पर विस्तार से लिखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल लोगों को प्रेरित करता है कि प्रकृति का सम्मान जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में फसलों से जुड़ा कोई न कोई पर्व मनाया जाता है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना गया है। तिरुक्कुरल में कृषि और किसानों पर विस्तार से लिखा गया है। हमारे किसान राष्ट्र निर्माण के मजबूत साथी हैं।

अपने तो अपने होते हैं...

मकर संक्रांति पर तेजप्रताप यादव के घर पहुंचे राजद नेता लालू यादव

पटना: बिहार में मकर संक्रांति को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। परंपरागत रूप से यह पर्व सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ मनाया जाता है। इस बार राज्य में तारीख को लेकर हल्का सा भ्रम है। कुछ लोग आज यानी 14 जनवरी को मकर संक्रांति मना रहे हैं, जबकि कई लोग इसे 15 जनवरी को मनाएंगे।

बिहार में मकर संक्रान्ति के मौके पर दही-चूड़ा भोज की बहार

बिहार में मकर संक्रांति के अवसर पर राजनीति को भी रफ्तार मिलती रही है। तमाम दिग्गज नेताओं की तरफ से भोज का आयोजन होता है। राबड़ी आवास पर भोज का आयोजन होता रहा था इस बार यह आयोजन तेजप्रताप यादव कर रहे हैं। तेजप्रताप की तरफ से आयोजित भोज में शामिल होने के लिए लालू यादव उनके आवास पर पहुंचे। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी तेजप्रताप के आवास पर पहुंचे। इसके अलावा भी तमाम दलों के दिग्गज नेताओं ने इस भोज में हिस्सा लिया।

तेजप्रताप यादव के भोज में अब तक पहुंचे हैं ये दिग्गज : तेजप्रताप यादव के पिता राजद नेता लालू यादव भोज में हिस्सा लेने के लिए सबसे पहले पहुंचे। लंबे समय से वो अपने बड़े बेटे से नाराज चल रहे थे। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस भी तेजप्रताप के आवास पर आयोजित भोज में पहुंचे। तेज प्रताप यादव के मामा साधु यादव भी लंबे समय के बाद लालू परिवार की तरफ से आयोजित किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। बीजेपी की तरफ से बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा जदयू की तरफ से मंत्री अशोक चौधरी ने भी भोज में हिस्सा लिया।

तेजप्रताप यादव के भोज पर सबकी नजर : तेजप्रताप ने इस बार भोज को खास बनाने के लिए पक्ष और विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं को निमंत्रण भेजा था।

राजनीतिक गलियारों में इस भोज को लेकर खूब अटकलें लगाई जा रही हैं। माना जा रहा है कि इस आयोजन में नेताओं के बीच मुलाकात से कई राजनीतिक समीकरण भी बन सकते हैं।

ताजमहल में उर्स के दौरान पर्यटकों के लिए आज से तीन दिनों की फ्री एंट्री

1720 मीटर लंबी चढ़ाई जाएगी सतरंगी चादर

आगरा: ताजमहल में शाहजहां का 371वां उर्स 15 से 17 जनवरी तक मनाया जाएगा। अंतिम दिन 17 जनवरी को सर्वधर्म सद्भाव की प्रतीक 1720 मीटर लंबी सतरंगी चादरपोशी होगी खुद्दाम-ए-रोजा कमेटी द्वारा चढ़ाई जाने वाली यह चादर हनुमान मंदिर से शुरू होकर मुख्य मकबरे तक पहुंचेगी जहां इसे तहखाने में स्थित शाहजहां व मुमताज की कब्रों पर ले जाकर पेश किया जाएगा।

मुगल शहंशाह शाहजहां का 371 वां सालाना उर्स 15, 16 और 17 जनवरी को मनाया जाएगा। इस दौरान शाहजहां व मुमताज की तहखाने में स्थित असली कब्रों को भी पर्यटक देख सकेंगे। यह कब्रें केवल उर्स में ही तीन दिन के लिए खोली जाती हैं।

15 व 16 जनवरी को दोपहर दो बजे से सूर्यास्त तक और 17 जनवरी को सूर्योदय से सूर्यास्त तक निशुल्क प्रवेश मिलेगा। ताजमहल में साप्ताहिक बंदी शुक्रवार को रहती है। शुक्रवार को केवल स्थानीय नमाजियों को प्रवेश मिलता है इसका आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के आगरा सर्किल ने जारी कर दिया है।

ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी ने बताया कि शुक्रवार को नमाज होने के बाद दोपहर दो बजे से पर्यटकों व जायरीनों को स्मारक में प्रवेश दिया जाएगा। उर्स में मुख्य मकबरे पर भी निशुल्क प्रवेश मिलेगा। सोमवार को एएसआई, जिला व पुलिस प्रशासन एवं उर्स की आयोजक खुद्दाम ए रोजा कमेटी की एक समन्वय बैठक ताजमहल परिसर में आयोजित की गई जिसमें उर्स के दौरान की गई व्यवस्थाओं को लेकर मंत्रणा हुई। बैठक के बाद खुद्दाम-ए-रोजा कमेटी के अध्यक्ष ताहिरउद्दीन ताहिर ने बताया कि कमेटी की ओर से शाहजहां की तहखाने में मौजूद असली कब्र पर उर्स के अंतिम दिन 17 जनवरी को सर्वधर्म सद्भाव की प्रतीक 1620 मीटर सतरंगी हिंदुस्तानी चादर पेश की जाएगी। ताहिर के मुताबिक 15 और 16 जनवरी को दोपहर दो बजे से उर्स में कार्यक्रम होंगे, जिनमें तहखाने में मौजूद शाहजहां की असली कब्र को अकीदतमंद देख सकते हैं। 17 जनवरी को पूरे दिन चादरपोशी की जाएगी।

लेकिन उर्स को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है। सोमवार को एक हिंदूवादी संगठन ने इस आयोजन को नियमों के विरुद्ध बताते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग की है और एएसआई दफ्तर पर प्रदर्शन कर अपनी मांगों के बारे में एक ज्ञापन दिया है जिसमें उर्स पर कई गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने केवल ताजगंज क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को शुक्रवार की नमाज की अनुमति दी है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की धार्मिक गतिविधि जैसे उर्स, कव्वाली या चादरपोशी पर पूर्ण रूप से रोक है।

ज्ञापन में कहा गया है कि जब न्यायालय की अनुमति नहीं है, तो तीन दिनों के लिए प्रवेश निःशुल्क कर उर्स का आयोजन करना नियमों का उल्लंघन है। ताजमहल में नमाज या उर्स की अनुमति से संबंधित मुगलकालीन या ब्रिटिशकालीन कोई लिखित आदेश उपलब्ध नहीं है।

ज्ञापन में कहा गया है कि आगरा के सिविल कोर्ट (सीनियर डिवीजन) में वाद संख्या 63/2024 लंबित है, जिसमें उर्स को रोकने की मांग की गई है। इस मामले की अगली सुनवाई भी 15 जनवरी 2026 को होनी तय है।

सबरीमाला में सोने के बाद अब घी घोटाला?

केरल हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम। सबरीमाला मंदिर में सोने के चोरी मामले के बाद अब घी घोटाले का मामला सामने आया है। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को नैय्याभिषेकम के बाद बचे 'आदिया सिष्टम घी' की बिक्री से 35 लाख रुपये की कथित गड़बड़ी की जांच के लिए विजिलेंस टीम गठित करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट की बेंच न्यायमूर्ति वी राजा विजयाराघवन और के.वी. जयकुमार ने यह आदेश तब दिया जब सबरीमाला विशेष आयुक्त ने रिपोर्ट सौंपकर घी की बिक्री से जुड़े धन का विस्तृत विजिलेंस जांच की मांग की थी।

सबरीमाला मंदिर में सोने के चोरी मामले के बाद अब घी घोटाले का मामला सामने आया है। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को नैय्याभिषेकम के बाद बचे 'आदिया सिष्टम घी' की बिक्री से 35 लाख रुपये की कथित गड़बड़ी की जांच के लिए विजिलेंस टीम गठित करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट की बेंच न्यायमूर्ति वी राजा विजयाराघवन और के.वी. जयकुमार ने यह आदेश तब दिया जब सबरीमाला विशेष आयुक्त ने रिपोर्ट सौंपकर घी की बिक्री से जुड़े धन का विस्तृत विजिलेंस जांच की मांग की थी।

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर रार जारी

राहुल गांधी ने सिद्धारमैया-शिवकुमार को दिल्ली बुलाया

बंगलूरू। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच खींचतान का अभी भी अंत नहीं हुआ है। अब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि राहुल गांधी ने दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाया है। हालांकि अभी तारीख तय नहीं हुई है। कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच लंबे समय से कुर्सी को लेकर खींचतान जारी है। बीते दिनों भी दोनों नेता दिल्ली गए थे, लेकिन उस समय भी कोई फैसला नहीं हो सका था। दोनों नेता हालांकि सार्वजनिक तौर पर किसी भी मतभेद से इनकार करते हैं और मीडिया पर इसे लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हैं, लेकिन जिस तरह से दोनों नेता दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं और उनकी ही पार्टी के विधायक बयानबाजी कर रहे हैं, उससे साफ है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कुछ भी सही नहीं है।

बुधवार को बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस विधायक अशोक पत्तन ने कहा, 'कल राहुल गांधी ने दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाया है। हालांकि अभी तारीख तय नहीं है।

ईडी के जमा पैसों के ब्याज से होगी बलिदानी के परिवारों की मदद : कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश के लिए जान कुर्बान करने वाले सैनिकों के परिवारों की मदद के लिए एक अहम कदम उठाया है। न्यायालय ने कहा है कि ऐसे परिवारों की सहायता करने की बहुत जरूरत है। इसी के चलते न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक खास निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि ईडी ने जो 46 करोड़ रुपये जमा किए थे, उस पर मिले ब्याज का आधा हिस्सा 'सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष' में जमा किया जाए। यह फैसला जस्टिस ए एस गडकरी और आर आर भोंसले की बेंच ने सुनाया है।

क्या है पूरा मामला? : मामले में ईडी ने 2019 के एक ट्रिब्यूनल आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। ट्रिब्यूनल ने शापूरजी पल्लोनजी एंड कंपनी लिमिटेड (एसपीसीएल) की 141.50 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की को रद्द कर दिया था।

जब ईडी ने 2019 में अपील की थी, तब हाई न्यायालय ने ट्रिब्यूनल के आदेश पर रोक लगा दी थी। साथ ही, केंद्रीय एजेंसी को 46.5 करोड़ रुपये न्यायालय में जमा करने का निर्देश दिया था।

न्यायालय का अंतिम आदेश : 23 दिसंबर, 2025 को न्यायालय ने अपना आखिरी आदेश दिया। इसकी कॉपी इस हफ्ते सामने आई है। हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सही माना और जमा की गई रकम एसपीसीएल को वापस करने का आदेश दिया। बेंच ने निर्देश दिया कि 46.5 करोड़ रुपये पर जो ब्याज मिला है, उसका 50 प्रतिशत सेना के कल्याण कोष में दिया जाए।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल कृष्ण गोपाल पुत्र श्री शिवचरण लाल उम्र 54 वर्ष निवासी मकान नंबर 85 साईं एनक्लेव नंदग्राम निकट पिंक बूथ चौकी थाना नंदग्राम गाजियाबाद ने अपने पुत्र राहुल वशिष्ठ को उसके द्वारा दो वर्षों से असामाजिक व्यवहार कृत्यों से परेशान होकर मेरे मुवक्किल व उसके पारिवार ने राहुल वशिष्ठ से व्यक्तिगत संबंध विच्छेद कर लिए है। उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए मेरा मुवक्किल व उसका परिवार उत्तरदाई नहीं होगा। दिनांक 12.01.26 से अपने परिवार से बेदखल कर रहा है। राहुल का संपत्तियों पर पहले की तरह बरतने का कोई अधिकार नहीं होगा।

यह नोटिस प्रकाशित कर दिया
नोटिस देहिन्दा
श्याम वर्मा एडवोकेट
38 चेंबर जनपद न्यायालय परिसर
राज नगर गाजियाबाद
98105 2 6498

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। गुरुवार 15 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

मकर संक्रांति पर सुल्लामल रामलीला कमेटी की शानदार पहल
'सांसद और विधायकों के साथ जनता ने की पतंगबाजी'

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक नई पहल इस वर्ष श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी ने की। वर्ष 2026 में रामलीला मैदान में राजनीति के बड़े चेहरों से लेकर नन्हें मुन्ने बच्चों की चहल पहल रही। यहां पर पहली बार मकर संक्राति के पर्व पर पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस नई पहल का समाज के वरिष्ठ नागरिकों से लेकर नन्हें बच्चों ने भी स्वागत किया। कार्यक्रम की पूरी रूप रेखा रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू और क्षेत्रीय पार्षद राजीव शर्मा ने तैयार की। राजीव शर्मा पतंगबाजी महोत्सव के संयोजक रहे और एक बहुत ही सुंदर उनके संयोजन में हुआ। बुधवार को मकर सक्रांति के पर्व पर श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी के द्वारा पहले मैदान में भव्य प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ और फिर पतंग महोत्सव का कार्यक्रम हुआ। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग रामलीला मैदान पहुंचे और उन्होंने बाकायदा पतंग उड़ाकर इस पर्व को साकार किया और एक संदेश दिया कि उत्सव को हमें इसी तरह मनाना चाहिए। इसके अलावा यहां कई वरिष्ठ नागरिक पहुंचे। जिसमें रामलीला कमेटी के पदाधिकारी थे। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल, महामंत्री नरेश प्रधान, कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मित्तल, उस्ताद अशोक गोयल, मंत्री प्रदीप मित्तल, दिनेश शर्मा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, पूर्व अध्यक्ष वीरो बाबा, ज्ञान प्रकाश गोयल, पूर्व पार्षद सतीश चौपड़ा, राघवेन्द्र शर्मा, मोहित मित्तल, राजेश बंसल, नन्द किशोर शर्मा, राकेश स्वामी, डॉ ओपी अग्रवाल, प्रेम प्रकाश गर्ग, सुभाष बजरंगी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुराने पतंगबाज निकले कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल

करंट क्राइम। रामलीला कमेटी ने वास्तव ने नई पहल की और मकर सक्रांति पर्व को महापर्व बनाया। रामलीला मैदान के गेट पर भंडारा लगाया। इसके बाद जब पतंगबाजी शुरू हुई तो कमेटी के महारथी भी पुराने पतंगबाज निकले। यहां पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अजय बंसल ने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने पतंग उड़ाई और महोत्सव का पहला पेंच लड़ाते हुए पतंग काटी। यहां पर नन्द किशोर शर्मा नन्दू से लेकर मोहित मित्तल ने भी पतंगबाजी का आनंद लिया।

सुधीर गोयल मोनू ने संभाला सहभोज के स्वाद को

करंट क्राइम। मकर सक्रांति का पर्व और रामलीला मैदान पर शहर के प्रतिष्ठित लोग मौजूद। बाहर गेट पर भंडारा चल रहा है और मैदान पर खिली धूप में पतंगबाजी का आनंद लिया जा रहा है। हाल के भीतर स्वादिष्ट व्यंजन तैयार हैं और सभी अतिथियों को सम्मानपूर्वक भोजन प्रसाद दिया जा रहा है। यहां पर स्वादिष्ट बाजरे की खिचड़ी, कढ़ी, गोभी मटर की सब्जी, पूड़ी और रायते का इंतजाम था। कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू के नेतृत्व में ये स्वादिष्ट भोजन पर्व की खुशी और पवित्रता के साथ सभी ने ग्रहण किये। यहां पर भोजन उपरान्त कुछ मीठा हो जाये के अंदाज में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मित्तल साजू तिल के लड्डू लेकर मौजूद थे। भोजन प्रसाद था और कमेटी का अनुरोध सबको उत्साहित कर रहा था।

जब मैदान पर नन्हे अयांश और दीरा ने उड़ाई पतंग

करंट क्राइम। संस्कृति और संस्कार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को ट्रांसफर होते हैं। सनातन संस्कृति का क्या महत्व है और अपने पर्व की खुशी को कैसे सेलीब्रेट करना है ये सिखाया पूर्व पार्षद सतीश चौपड़ा ने अपने पौत्र और पौत्री को। पूर्व पार्षद सतीश चौपड़ा अपने पौत्र और पौत्री को गोद में लेकर रामलीला मैदान पहुंचे। यहां नन्हें अयांश और दीरा ने अपने दादा के सानिध्य में पतंग उड़ाई तो उन्हें भी ये महसूस हुआ कि हमारी संस्कृति क्या है और उत्सव कैसे मनाते हैं। तीसरी पीढ़ी अपनी प्रथम पीढ़ी को एक तरह से त्यौहार की मस्ती और भारतीय संस्कृति का संदेश बहुत ही शानदार तरीके से सिखा रही थी।

जब एक कवि भावुक हुआ और एक सांसद ने राजनीति से ऊपर उठकर दिल जीत लिया
विख्यात कवि विष्णु सक्सेना ने सांसद अतुल गर्ग से मुलाकात के लम्हों को किया जब सोशल मीडिया पर साझा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति के शोर-शराबे के बीच कभी-कभी ऐसे क्षण भी आते हैं, जो सीधे दिल को छू जाते हैं। ऐसा ही एक भावुक और आत्मीय क्षण उस समय सामने आया, जब मशहूर श्रृंगार रस के कवि विष्णु सक्सेना की गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग से एक साधारण लेकिन यादगार मुलाकात हुई। यह मुलाकात किसी औपचारिक राजनीतिक एजेंडे से बंधी नहीं थी। बातचीत के दौरान अतुल गर्ग का सहज स्वभाव, उनकी हास्यप्रियता और आत्मीय संवाद ने माहौल को पूरी तरह अपनत्व से भर दिया। कवि विष्णु सक्सेना के अनुसार, जितनी देर वे साथ रहे, उतनी देर सांसद ने खुलकर हँसाया, बातों-बातों में नाश्ते की मेज पर भी स्नेहपूर्वक संवाद किया। लेकिन इस मुलाकात का सबसे मार्मिक क्षण तब आया, जब विदाई के समय सांसद अतुल गर्ग स्वयं गेट तक छोड़ने आए। एक कवि के लिए यह केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि सम्मान और संवेदना की गहरी अनुभूति थी। विष्णु सक्सेना मानते हैं कि शायद यह उनके भीतर बैठी कविता और भावनाओं के प्रति सांसद का आदर भाव ही था, जिसने इस मुलाकात को इतना खास बना दिया।

हालाँकि दोनों के बीच पहले भी कई बार भेंट हो चुकी है, लेकिन सांसद के आवास पर यह पहली ऐसी मुलाकात थी, जो पूरी तरह निस्वार्थ, आत्मीय और मानवीय लगने वाली थी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद हिमांशु लव की उपस्थिति ने भी इस संवाद को और गरिमा दी। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि जब जनप्रतिनिधि राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय व्यवहार करते हैं, तो वे केवल नेता नहीं रहते—वे लोगों के दिलों में स्थायी स्थान बना लेते हैं। एक कवि की संवेदनाएँ और एक सांसद का अपनापन—इसी संगम में यह मुलाकात यादगार बन गई।

नगर निगम की डायरी से निकला ये पैगाम काश इसमें होते नामित पार्षदों के भी नाम

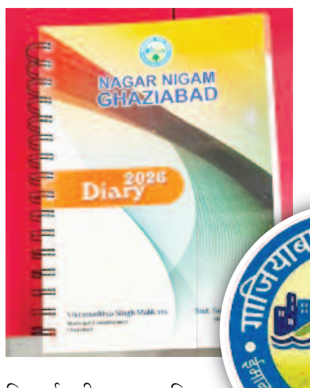

गाजियाबाद, करंट क्राइम। साल बदला है और साल के साथ काफी कुछ हाल बदला है। लेकिन अगर सरकारी क़ृपा की तरफ ध्यान दें तो यहां साल दर साल कार्यकर्ताओं का हाल नहीं बदला है। कार्यकर्ता अपनी ही सरकार में एक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं कि नामित वाली कोई सूची आयेगी और उसमें उनका नाम होगा। जीडीए बोर्ड सदस्य वाली कोई लिस्ट आयेगी और उसमें नाम होगा। आयोग वाली किसी लिस्ट में उनके नाम का भी योग होगा। मगर ऐसा हो नहीं रहा और हो ये रहा है कि सरकार रिपीट हो गई और निगम का सदन भी नया आ गया लेकिन नामित पार्षदों वाला पैगाम नहीं आया है। नगर निगम ने जब अपनी डायरी प्रकाशित कराई तो उसमें ये चीज दिखाई दी। नगर निगम जनता का सदन है और इसमें जनता की आवाज होती है। 100 वार्डों के माध्यम से होती है, पदेन सदस्यों से होती है और नामित पार्षद भी नगर निगम का हिस्सा होते हैं। नगर निगम की डायरी एक तरह से पार्षदों के लिए, नामित पार्षदों के लिए, पदेन सदस्यों के लिए दस्तावेज भी होती है। ये डायरी इस बात की तस्दीक करती है कि उस सन में, उस वर्ष में हम नगर निगम में पार्षद थे, हम नगर निगम में नामित पार्षद थे और डायरी में हमारा नाम अंकित है। लेकिन इस वर्ष जो डायरी आई उसमें नामित पार्षदों वाली सूची नहीं है। निगम का अपना तर्क है और वो ये है कि मौजूदा सदन के सदस्यों को लिखा जायेगा। नए सदन के साथ ही पुराने वाले एक्स हो गये और इन एक्स हुओ में नामित पार्षदों का भी नाम आयेगा। लेकिन नई सूची के नाम नहीं आये हैं और ऐसे में पुरानी सूची के नामों को रिपीट नहीं किया जा सकत। नगर निगम की डायरी ये पैगाम दे रही है और निगम ने वर्ष 2026 की बेहद सुंदर डायरी प्रकाशित कराई है। मगर जब इसके पन्नों को टटोलते हैं तो यहां नामित पार्षदों के नाम और नंबर नहीं है। नए वाले घोषित हो जाते तो उनका नाम आता। काश सरकार अगर 10 नामित पार्षदों को घोषित कर देती तो ये कार्यकर्ता भी नगर निगम की डायरी में नामित पार्षदों के रूप में दर्ज हो जाते। बहरहाल अब ये डायरी नामित पार्षदों के बिना ही है और 2027 का जब साल आयेगा तो क्या पता उसमें ये सूची आ जाये।

मंच वाले प्रकरण पर विधायक संजीव शर्मा का पंच, बोले-
धक्के खाकर ही तो यहां तक पहुंचा हूं

दैनिक करंट क्राइम से जब शहर विधायक संजीव शर्मा की बात हुई तो उन्होंने फिर दोहराया कि यह एक सामान्य घटना है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में बड़े दिल के साथ जो राजनीति करता है वो ही बड़े मुकाम तक पहुंचता है। राजनीति में कार्यकर्ता भाव के साथ काम करना पहली और अनिवार्य शर्त है। सबसे बड़ी बात ये है कि राजनीति में बैलेंस और पेशेंस के साथ काम करना पड़ता है। बीते दिनों भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी आये। उनके स्वागत कार्यक्रम में धक्के वाला सीन हो गया। लड़खड़ाहट हो गई और फिर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने वालों की हड़बड़ाहट हो गई।

अब धक्के का सीन या बाई चांस हुआ, या प्री प्लान रहा इस पर भी सभी का ध्यान रहा। किसी ने इमोशन में कुछ लिख दिया तो किसी ने वीडियो को स्लो मोशन में दिखा दिया। मगर सवाल यही रहा कि विधायक जी को धक्का किसने मारा। इस पूरे प्रकरण में शहर विधायक संजीव शर्मा ने भी बड़े दिल का परिचय दिया और खुद कहा कि बैलेंस बिगड़ गया था। उससे पहले कहा था कि बड़े कार्यक्रमों में ऐसी छोटी मोटी बातें हो जाती है। कुल मिलाकर सार यही कि शहर विधायक संजीव शर्मा ने ही उन चेहरों को राहत दे दी जो आलोचना के रडार पर थे। दैनिक करंट क्राइम से जब शहर विधायक संजीव शर्मा की बात हुई तो उन्होंने फिर दोहराया कि यह एक सामान्य घटना है।

यहां पर जब उनके बयान की बात आई तो विधायक संजीव शर्मा मुस्कुराये और वो इस धक्के को दर्शन से जोड़कर जीवन के सार में ले गये। उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को धक्के खाने ही होते हैं। यदि हम राजनीति से अलग भी जीवन के हर पहलू में देखें तो हमे समझ में आयेगा कि यदि प्रगति करनी है तो फिर धक्कों का भी जीवन में समावेश होता है। उन्होंने कहा कि मैं खुद राजनीति में इस मुकाम पर धक्के खाकर आया हूं।

यहां विधायक संजीव शर्मा पूरी तरह से धक्का फिलोसफी पर बोल रहे थे और उन्होंने कहा कि भाजपा एक बहुत बड़ा परिवार है और एक परिवार में भले ही किसी भी विषय पर तकरार हो लेकिन एक परिवार में प्यार भी होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम सब भाजपा की राजनीति को देखें और समझें तो यहां पर सबसे महत्वपूर्ण भाव कार्यकर्ता का निर्माण करना है। उन्होंने विपक्ष के दिनों की याद ताजा की और कहा कि यूथ मोर्चा के कार्यकर्ता से लेकर बूथ के कार्यकर्ता तक सभी ने पार्टी के लिए धक्के भी खाये हैं और आंदोलन में कई बार डंडे भी खाये हैं।

उन्होंने कहा कि आज अगर पार्टी विश्व की सबसे बड़ी कार्यकर्ताओं वाली पार्टी है तो इसका पूरा श्रेय भाजपा के हर कार्यकर्ता को है जो आंदोलन की जमीन से संघर्ष के सफर से धक्के खाकर ही पार्टी को यहां तक लाये हैं। मैं भी पार्टी का कार्यकर्ता हूं और मैं भी धक्के खाकर ही यहां तक पहुंचा हूं। यहां पर उन्होंने एक बार फिर बात को रोचक मोड़ दिया और कहा कि धक्के खाकर तो इंसान जीवन में आगे बढ़ता है लेकिन ये भी सत्य है कि किसी दूसरे को रोकने के लिए धक्के देने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में पीछे रह जाता है।

जब लोकतंत्र की सीटी बंद होती है, तब असंतोष उबाल मारता है: बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जब पहला कुक्कर बना तो उसमें भाप निकलने के लिए सीटी नहीं लगी थी। इसलिए कुक्कर फटने की घटनाएं हुई। तब कुक्कर में सीटी लगाई। इससे भाप भी निकले और आवाज भी हो ताकि खाना बनाने वाले को पता हो कितनी बार भाप निकल गई है। अब तो कुक्कर से भोजन बनाने वाले बताते हैं कि कितनी सीटी के बाद कुक्कर में भोजन पक जाएगा।

सीटी केवल कुक्कर में ही आवश्यक नहीं है। यह हर उस संस्था में आवश्यक है जिसमें कई लोगों की हिस्सेदारी आवश्यक है। जिन संस्थाओं में लोगों कठिनाइयों को जानने की प्रक्रिया नहीं बनाई जाती या गुस्से को निकलने का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, वहां असंतोष भड़क जाता है। 1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों ने लोगों के गुस्से को निकालने के लिए भारतीयों की एक संस्था बनाई थी जिसका नाम कांग्रेस रखा था। राजनीति में लोगों की भावनाओं को जानने और समझने के लिए संसद, विधानसभा, जिला पंचायत, नगर निगम, नगर परिषद जैसी संस्थाओं की व्यवस्था संविधान में की गई है। इन संस्थाओं के माध्यम से जन भावनाओं की अभिव्यक्ति होती है। समाचार पत्र को

भी लोकतंत्र का चौथा खंबा इसीलिए कहा गया है क्योंकि वह भी जन भावनाओं की अभिव्यक्ति का न केवल एक प्रभावी माध्यम है बल्कि एक मत बनाने की प्रक्रिया को भी जन्म देता है।

अगर लोक सभा, विधान सभा जैसे जनभावनाओं की अभिव्यक्ति के मंच निष्प्रभावी हो जायेंगे। और समाचार पत्र भय से या लालच से जन भावनाओं की अभिव्यक्ति से विरत हो जाएंगे तो लोकतंत्र कमजोर होता चला जाएगा। सरकारों में एक विभाग बनाया हुआ है जिसका दायित्व है कि वह सभी समाचार पत्रों में छपी खबरों का संकलन करके सरकार के मंत्रियों को भेजता है। ताकि कार्यपालिका अवगत हो कि लोगों की भावनाएं क्या हैं और मंत्री अपने विभाग और उसके कार्यों से जुड़े समाचारों से अवगत हो सके। इसका सकारात्मक पक्ष ये है कि मंत्री अपने विभाग की कमियों को जान कर उनमें सुधार कर सके। अपने विभाग के कार्यों को बेहतर बना सके।

संत कबीर दास ने कहा है कि -

निंदक नियरे राखियो
आंगन कुटी छवाय
बिन साबुन पानी बिना
निर्मल करे सुभाय।

जो जन भावनाओं की उपेक्षा करते हैं वे अपने विरुद्ध असंतोष को स्वयं भड़काने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

लेख की पाँच प्रमुख बातें

1 सीटी का सिद्धांत
जैसे प्रेशर कुकर में सीटी भाप और दबाव को नियंत्रित करती है, वैसे ही समाज और संस्थाओं में असंतोष निकालने के लिए अभिव्यक्ति के रास्ते जरूरी हैं।

2 असंतोष का खतरा
जहाँ लोगों की कठिनाइयों और गुस्से को सुनने की व्यवस्था नहीं होती, वहाँ असंतोष धीरे-धीरे विस्फोट का रूप ले लेता है।

3 राजनीतिक संस्थाओं की भूमिका
1857 के बाद अंग्रेजों ने जनभावनाओं को समझने के लिए इंडियन नेशनल कांग्रेस जैसी संस्था बनाई। आज संविधान ने संसद, विधानसभा, पंचायत और नगर निकायों को यही भूमिका दी है।

4 समाचार पत्र का महत्व
समाचार पत्र को लोकतंत्र का चौथा खंभा इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह जनभावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ-साथ जनमत निर्माण भी करता है।

5 चेतावनी और सीख
यदि पार्लियामेंट आफ इंडिया और विधानसभाएँ निष्प्रभावी हो जाएँ तथा मीडिया डर या लालच में चुप हो जाए, तो लोकतंत्र कमजोर हो जाता है। कबीर का संदेश है—आलोचना सुधार का माध्यम होती है।

संपादकीय

युवा असमानता से चिंतित

विश्व आर्थिक मंच की नई सर्वेक्षण रपट में कहा गया है कि दुनिया भर के युवा असमानता से चिंतित हैं। मगर इसकी आलोचना करने के बजाय, वे इसमें बदलाव चाहते हैं। किसी भी राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आर्थिक समानता का होना बेहद जरूरी है। जब तक सभी नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं होंगी, तब तक विकास के तमाम दावे अधूरे ही साबित होंगे। मगर, चिंताजनक बात है कि दुनिया भर में आर्थिक असमानता का दायरा बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है, बल्कि आमजन की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी आधारभूत जरूरतों तक पहुंच भी सीमित हो रही है। इससे कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

विश्व आर्थिक मंच की नई सर्वेक्षण रपट में भी इस बात को उजागर किया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर के युवा असमानता से चिंतित हैं। मगर इसकी आलोचना करने के बजाय, वे इसमें बदलाव चाहते हैं। सवाल है कि आखिर अमीर-गरीब के बीच खाई घटने की बजाय बढ़ क्यों रही है? क्या शासन और प्रशासन को इस बात का भान नहीं है कि इस असमानता के परिणाम न केवल किसी एक देश, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए घातक हो सकते हैं?

इसमें दोराय नहीं कि आर्थिक असमानता के मामले में भारत भी पीछे नहीं है। विश्व असमानता पर हाल में जारी की गई एक रपट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का करीब चालीस फीसद हिस्सा महज एक फीसद लोगों के पास है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में आर्थिक असंतुलन का स्तर कहां पहुंच गया है। युवा वर्ग भी इससे प्रभावित हो रहा है और वह व्यवस्था में बदलाव तो चाहता है, लेकिन इसके लिए उसे सही मंच और अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच की रपट में कहा गया है कि सर्वेक्षण के दौरान सत्तावन फीसद युवाओं ने इस असमानता पर गंभीर चिंता जताई है। आर्थिक असमानता बढ़ने की चेतावनी पहले भी दी जाती रही है, लेकिन इस पर गंभीरता दिखाने की पहल दुनिया के किसी कोने में नजर नहीं आई है। ऐसे में इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब किसी देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा चंद लोगों के हाथों में आ जाएगा, तो उसका परिणाम क्या होगा।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर बंद

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 अंक पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच आईटी, उपभोग और चुनिंदा बैंकिंग ब्लू-चिप शेयरों में कमजोरी के कारण बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में पिछले दिन की गिरावट जारी रही। इसके अलावा, व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निधियों की लगातार निकासी और टैरिफ से संबंधित नई अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों को परेशान कर दिया है।

बुधवार को रुपया शुरूआती बढ़त गंवा बैठा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे गिरकर 90.29 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 83,382.71 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 442.49 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 83,185.20 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.70 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 25,665.60 पर आ गया।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 64.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.99 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 64.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,499.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,181.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 250.48 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 83,627.69 पर बंद हुआ। निफ्टी 57.95 अंक या 0.22 प्रतिशत गिरकर 25,732.30 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, मारुति, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थीं। दूसरी ओर, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वालों में शामिल थे।

दिसंबर में बिजली मांग में उछाल

तिमाही की कमजोरी कुछ हद तक हुई कम

नई दिल्ली। दिसंबर 2025 में बिजली की मांग में 6.8% की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही की कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण पूरी तिमाही में मांग थोड़ी घटी, लेकिन पीक डिमांड मजबूत बनी रही। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में बिजली मांग में सुधार देखने को मिला, जिससे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान आई समग्र कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, तिमाही के अधिकांश हिस्से में बेमौसम बारिश और अपेक्षाकृत कम तापमान के कारण बिजली मांग पर दबाव बना रहा।

बिजली की मांग वार्षिक आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 में बिजली की मांग साल-दर-साल आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही की कमजोर शुरूआत के बाद स्थिर सुधार का संकेत है। इसके साथ ही, नुवामा ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अपने पावर सेक्टर कवरेज में शामिल कंपनियों के लिए मामूली मुनाफा वृद्धि का अनुमान जताया है।

थोक महंगाई दर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर

दिसंबर में 0.83% हुई, विनिर्माण और खाद्य कीमतों में तेजी का असर

नई दिल्ली। भारत की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में दिसंबर 2025 के दौरान उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 0.83% पर पहुंच गई, जो पिछले आठ महीनों का उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि नवंबर में दर्ज किए गए 0.32% के संकुचन के बाद आई है, जो बाजार विशेषज्ञों की 0.30% की उम्मीदों से काफी अधिक है।

विनिर्माण और खाद्य कीमतों का कीमतों पर क्या असर?

दिसंबर में थोक मुद्रास्फीति के सकारात्मक क्षेत्र में आने का मुख्य कारण विनिर्माण, खनिजों और खाद्य उत्पादों की कीमतों में हुआ बदलाव है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, खाने-पीने के चीजों की कीमतों में इजाफा दिख रहा है।

रसोई से जुड़े सामानों पर कीमतों पर क्या असर?

खाद्य क्षेत्र में 'डिफ्लेशन' (कीमतों में गिरावट) के कम होने से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ा है। हालांकि सब्जियों की कीमतों में साल-दर-साल आधार पर 3.5% की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह नवंबर में हुई 20.23% की भारी गिरावट की तुलना में काफी कम है। प्याज की कीमतों में गिरावट जारी रही, लेकिन इसकी गति 64.70% (नवंबर) से घटकर 54.40% (दिसंबर) रह गई। आलू की कीमतों में 38.21% और दालों में 13.88% का संकुचन देखा गया। दूसरी ओर, दूध की कीमतों में 3.23% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में आरबीआई की क्या रणनीति?

थोक के साथ-साथ खुदरा मुद्रास्फीति भी दिसंबर में बढ़कर 1.3% के तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो नवंबर में 0.7% थी। इसके बावजूद, यह लगातार चौथा महीना है जब मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के 4% के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है।

निर्यात की तैयारी मामले में यूपी देश के शीर्ष पांच राज्यों में, महाराष्ट्र शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली। नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक (एढक) 2024 में उत्तर प्रदेश ने शीर्ष 5 राज्यों में जगह बनाई है। महाराष्ट्र 68.01 स्कोर के साथ शीर्ष पर है। जानें राज्यों की निर्यात रैंकिंग का पूरा विश्लेषण। उत्तर प्रदेश ने नीति आयोग के 'निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2024' में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराते हुए देश के शीर्ष पांच बड़े राज्यों में जगह बना ली है। नीति आयोग की ओर से बुधवार को जारी इस व्यापक मूल्यांकन में उत्तर प्रदेश निर्यात तत्परता और प्रदर्शन के मामले में चौथे स्थान पर रहा है। यह रिपोर्ट देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निर्यात क्षमता को परखने के साथ-साथ उनके बीच 'प्रतिस्पर्धी संघवाद' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम की ओर से नई दिल्ली में जारी की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र 68.01 के स्कोर के साथ बड़े राज्यों की श्रेणी में पहले पायदान पर रहा है। महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर काबिज है। उत्तर प्रदेश ने चौथा स्थान हासिल किया है, जबकि आंध्र प्रदेश इस सूची में पांचवें स्थान पर रहा। ईपीआई 2024 के इस संस्करण में वित्त वर्ष 2022 से वित्त वर्ष 2024 की अवधि के दौरान राज्यों के निर्यात प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई है। छोटे राज्यों में उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर का प्रदर्शन निर्यात की तैयारी केवल बड़े औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। छोटे राज्यों, उत्तर-पूर्वी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में उत्तराखंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर दूसरे और नागालैंड तीसरे स्थान पर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह रैंकिंग पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से इतर अन्य क्षेत्रों में निर्यात की तैयारी की दिशा में हो रही निरंतर प्रगति को उजागर करती है।

निर्यात प्रदर्शन : पिछले बार की तुलना में इस बार सूचकांक में पांच नए आयाम जोड़े गए हैं। नीति आयोग ने इस बार लॉजिस्टिक्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), मानव पूंजी, लागत और वित्त तक पहुंच पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है ताकि यह बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य के अनुरूप प्रासंगिक बना रहे।

रिपोर्ट में भविष्य के लिए क्या?

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह सूचकांक केवल राज्यों की रैंकिंग करने का जरिया नहीं है, बल्कि यह एक पॉलिसी गाइड के रूप में काम आएगा।

रोचक तथ्यों का करंट

- आपके पैर के पंजे में 26 हड्डियां हैं।
- औसतन इंसान के दिमाग में 78 प्रतिशत पानी होता है।
- अगर 1 से लेकर 100 तक संख्याओं को लगातार जोड़ा जाए तो जोड़ 5020 होता है।
- स्पंज में ठंडा पानी गर्म पानी से ज्यादा ठहरता है।
- धरती पर हर मिनिट में 6,000 बार बिजली गिरती है।
- आग उपर की तरफ, नीचे की तरफ की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ती है।
- ऊंट के दूध का दही नहीं जमता।
- हाथी चौबीस घंटों में 4,5 घंटे के लिए सोता है।
- गाय को सीढ़ी चढ़ना संभव है जबकि वे सीढ़ी उतर नहीं सकती।
- मेंढ़क आंख बंद करके ही कुछ निगल सकता है।
- इंसान की जीभ सबसे अधिक तेजी से ठीक होती है।
- 45. आपके साथ नौ मिलियन और लोगों का भी जन्मदिन होता है।
- 1 मिनिट तक किस करने से 26 कैलोरी जलती है।
- सोने में आप ज्यादा कैलोरी जलाते हैं बयाय टीवी देखने के।
- आमतौर पर मेंढ़क पानी नहीं निगलते। उनकी स्किन के माध्यम से उन्हें नमी मिल जाती है।

राशिफल

मेष : आर्थिक लाभ हो सकता है। सितारे साथ दे रहे हैं, इसलिए छोटी हो या बड़ी किसी भी अवधि की योजना बनाने में आपके प्रयास आज अच्छे परिणाम देंगे।

वृष : आज का दिन अच्छा रहेगा। उदार स्वभाव आपके लिए कई खुशी के पल लेकर आएगा। पड़ोसियों से सकारात्मक व्यवहार देखने को मिलेगा।

मिथुन : वाक्पटुता से अपने निर्धारित कार्य को करने में सक्षम होंगे। गणेश बौद्धिक चर्चा में न आने की सलाह देते हैं। खाने में कन्फेक्शनरी मिल जाती है।

कर्क : आपका संगठन आपको व्यापार के लिए विदेश भेजने की तैयारी कर रहा है। विदेश में किया गया व्यापार शुभ लाभ देगा। अवसर का भरपूर लाभ उठाएं।

सिंह : आज का दिन सरप्राइज लेकर आएगा। जिन प्रयासों को आपने व्यर्थ माना था, आज उनका फल भी आपको मिलेगा। ऑफिस में काम का बोझ बढ़ सकता है।

कन्या : आज प्रभावशाली लोगों का सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को नवीनीकृत करने का दिन है। धन लाभ होगा।

तुला : नए काम के साथ ढेर सारी जिम्मेदारियां भी सामने आएंगी। संस्थान के किसी भी तकनीकी कार्य में प्रतिभा उजागर होगी।

वृश्चिक : ज्यादातर काम पूरे होंगे। परिवार के सभी सदस्यों के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। छात्र व्यावसायिक शिक्षा के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में शामिल हो सकते हैं।

धनु : आज क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा। विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और आपके प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं।

मकर : दिन कार्यक्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र में फलदायी रहेगा। अपने समर्पण और दृढ़ता का प्रतिफल प्राप्त कर रहे हैं। आर्थिक दबाव को काफी हद तक कम कर सकता है।

कुंभ : आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपके सभी कार्यों में आत्मविश्वास की झलक मिलेगी, कई दिनों से चली आ रही रुकावटें आज दूर होंगी।

मीन : छात्रों के लिए थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। व्यापार से संबंधित समस्या का समाधान होगा।

चुटकुले

टीचर : पप्पू, होमवर्क क्यों नहीं किया?
पप्पू : मैडम, आज मन नहीं था।
टीचर : रोज क्यों नहीं होता?
पप्पू : मन भी इंसान है, थक जाता है!

पत्नी : सुनो जी, मैं कुछ बोलूँ?
पति : बोलो।
पत्नी : रहने दो।
पति : देखा! यही तो डर है!

दोस्त : भाई, आजकल जल्दी सो जाता है?
गोलू : हाँ यार।
दोस्त : क्यों?
गोलू : सपनों में भी आराम नहीं मिलता!

मरीज : डॉक्टर साहब, मुझे काम करते ही नींद आती है।
डॉक्टर : ये कब से है?
मरीज : जब से नौकरी लगी है।
डॉक्टर : समस्या समझ गया!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

किदांबी श्रीकांत की शानदार जीत, खेल परिस्थितियों पर उठे सवालों पर की बात

नई दिल्ली। इंडिया ओपन 2026 में पीवी सिंधू को पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हार झेलनी पड़ी, जबकि किदांबी श्रीकांत ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। मैच के बाद श्रीकांत ने स्टेडियम की व्यवस्थाओं को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खेल परिस्थितियों में कोई बड़ी कमी नजर नहीं आई।

इंडिया ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन को शुरूआती दौर में झटका लगा, जब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को राउंड-1 में निचली रैंकिंग की वियतनाम की खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी टूनार्मेंट में पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने

शानदार संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई और साथ ही खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर अपनी स्पष्ट राय रखी।

सिंधू बाहर हुई, श्रीकांत ने जीता पहला मुकाबला

पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने इंडिया ओपन सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन थरुण मणिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। श्रीकांत ने यह मुकाबला 15-21, 21-6, 21-19 से अपने नाम किया। मैच के बाद श्रीकांत ने टूनार्मेंट की खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, डेनमार्क की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए इसे अस्वस्थ वातावरण बताया था और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) से हस्तक्षेप की मांग की थी।

पीवी सिंधू पहले राउंड से बाहर

व्यवस्था पर उठे सवालों को श्रीकांत ने किया खारिज

हालांकि, श्रीकांत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्हें आयोजन स्थल पर कुछ भी असामान्य या खराब नहीं लगा। उन्होंने कहा, 'हर देश की अपनी परिस्थितियाँ होती हैं। कहीं शटल में ज्यादा ड्रिफ्ट होता है, कहीं कम। मैंने यहां ऐसा कुछ नहीं देखा जिसे 'खराब' कहा जाए।' श्रीकांत ने यह भी याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में पहले भी इस तरह की समस्याएं सामने आती रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बार डेनमार्क में लाइट चली जाने के कारण उन्हें करीब एक घंटे तक मैच के दौरान इंतजार करना पड़ा था। वहीं, एच. एस. प्रणय को एक मैच दो दिनों में पूरा करना पड़ा था। 32 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'ये चीजें बहुत कम होती हैं और कोई भी देश जानबूझकर ऐसा नहीं करता। सभी आयोजक अच्छा करना चाहते हैं।'

दुनिया के नंबर-दो शटलर एंटोनसन ने इंडिया ओपन से क्यों बनाई दूरी

नई दिल्ली। एंटोनसन ने इंडिया ओपन बैडमिंटन से दूर रहने का फैसला किया है। उन्होंने बुधवार को वजह का खुलासा किया और बताया कि दिल्ली में काफी प्रदुषण। इसी वजह से और अपने स्वास्थ्य को देखते हुए वह इंडिया ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे।

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में बहुत अधिक प्रदूषण के कारण उन्होंने लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूनार्मेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया।

एंटोनसन ने पिछले हफ्ते इंडिया ओपन से हटने का फैसला किया था, लेकिन यह कारण नहीं बताया था कि उन्होंने आखिर क्यों ऐसा फैसला किया। डेनमार्क के इस खिलाड़ी ने हालांकि बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपने फैसले का कारण बताते हुए दिल्ली में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को जिम्मेदार ठहराया।

लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से बाहर

एंटोनसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बहुत से लोग जानना चाहते हैं कि मैंने लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम क्यों वापस ले लिया है। इस समय दिल्ली में बहुत अधिक प्रदूषण है इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूनार्मेंट की मेजबानी करने के लिए सही जगह है।'

अगस्त में BWF विश्व चैंपियनशिप: डेनमार्क के इस 28 साल के खिलाड़ी ने हालांकि उम्मीद जताई कि अगस्त में जब इसी जगह पर बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा तो हालात जनवरी की तुलना में बेहतर होंगे।

'आयुष बदोनी का वनडे टीम में चयन अनुचित'

श्रीकांत ने लगाया पक्षपात का आरोप

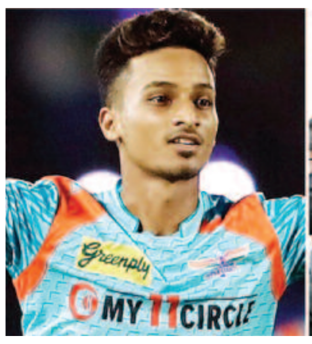

आयुष बदोनी के वनडे टीम में चयन पर श्रीकांत ने पक्षपात, असमान चयन मानदंड और IPL आधारित फैसलों के आरोप लगाए हैं। वहीं टीम मैनेजमेंट ने इसे संतुलन और आवश्यकता आधारित फैसला बताया है। इस बहस ने भारतीय चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निरंतरता को लेकर नया विवाद खड़ा कर दिया है।

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम चयन को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आयुष बदोनी को टीम में शामिल किए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए चयन प्रक्रिया पर पक्षपात और असमान मानदंडों के आरोप लगाए हैं। उनका मानना है कि बदोनी के हालिया प्रदर्शन चयन के योग्य नहीं थे, फिर भी उन्हें टीम में जगह मिली।

'चयन पूरी तरह अनुचित'

सिलेक्शन पर सवाल उठाते हुए श्रीकांत ने कहा कि घरेलू और आईपीएल दोनों स्तरों पर बदोनी का हालिया प्रदर्शन वनडे टीम में शामिल होने लायक नहीं है। उनके शब्दों में, 'ऐसे प्रदर्शन के आधार पर चुना जाना बिल्कुल अनुचित है। इस तरह तो चयन का कोई पैमाना ही नहीं रह जाता।'

श्रीकांत ने दावा किया कि चयन में उपयोग किए जाने वाले मानदंड स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों से कहा जाता है कि रन बनाओ तभी मौका मिलेगा। लेकिन कुछ लोगों को बिना कुछ किए भी चुन लिया जाता है। यह डोमेस्टिक खिलाड़ियों के लिए गलत संदेश है।'

IPL प्रदर्शन पर भी उठे सवाल

श्रीकांत ने बदोनी के आईपीएल प्रभाव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कोई मुझे उसका एक बड़ा मैच याद दिला दे? वह मैच अपने दम पर नहीं चला सकता।'

उन्होंने बदोनी की हिटिंग क्षमता पर भी कटाक्ष किया, 'उसके पास वो पावर-हिटिंग नहीं है, वह अनोखे शॉट्स से चलता है, वनडे में ऐसा नहीं चलता।'

ऑल-राउंडर टैग पर सवाल

बदोनी को ऑल-राउंडर के रूप में देखने पर श्रीकांत और ज्यादा नाराज थे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि किसी मैच में तीन विकेट ले लिए तो उसे ऑल-राउंडर बना दो? आईपीएल में कितनी बार उसे गेंदबाजी करते देखा है?' उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि ऑल-राउंडर चाहिए था तो अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी क्यों बाहर रहे।

ऋतुराज और अक्षर का उदाहरण: श्रीकांत ने ऋतुराज गायकवाड़ को बाहर रखने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'पिछली वनडे सीरीज में सेंचुरी बनाने के बावजूद ऋतुराज बाहर है। उसने कौन सा गुनाह किया?' उन्होंने पूछा कि अगर ऑल-राउंडर की जरूरत थी तो अक्षर पटेल को क्यों नहीं चुना गया।

पक्षपात का आरोप

श्रीकांत ने अप्रत्यक्ष तौर पर आईपीएल कनेक्शन का जिक्र करते हुए कहा, 'वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए खेलता था, वहां उसके मेंटर थे, इसलिए अब टीम में है। मुझे कोई और कारण नहीं दिखता।' उन्होंने चयन की मुश्किलों पर भी कहा, 'अब भारत की टीम में आने के लिए दरवाजा नहीं, दो ट्रक तोड़कर घुसना पड़ता है।'

टीम मैनेजमेंट का पक्ष

टीम मैनेजमेंट ने इस विवाद को नकारते हुए बदोनी को चुनने का कारण बताया। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर चोट के कारण बाहर हो गए, हम सिर्फ पांच गेंदबाजों के साथ नहीं उतर सकते थे।' उन्होंने यह भी कहा कि बदोनी चार-पांच ओवर डाल सकते हैं, जिससे टीम का संतुलन ठीक रहता है। कोटक ने बदोनी के व्हाइट-बॉल अनुभव और इंडिया-ए एक्सपोजर का भी हवाला दिया।

रोहित से छिना ताज, चार साल बाद फिर शीर्ष पर कोहली

दुबई। आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में विराट कोहली वनडे के शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और इसका असर रैंकिंग में भी देखने मिला है।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वनडे में शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी की जारी ताजा रैंकिंग में कोहली ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है और वह नंबर एक स्थान पर आ गए हैं। रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल हैं। दिलचस्प बात यह है कि कोहली और मिचेल के बीच महज एक रैटिंग अंक का फासला है। कोहली 785 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, मिचेल के 784 अंक हैं।

53 महीने बाद फिर नंबर एक बने विराट

कोहली 53 महीने बाद वनडे में फिर नंबर एक बल्लेबाज बने। 37 वर्षीय कोहली जुलाई 2021 के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। कोहली पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी वनडे में नाबाद 74 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने पिछली चार पारियों में 135, 102, 65 और 93 रन बनाए हैं। कोहली की यह पारी न्यूजीलैंड के 300 रन के लक्ष्य को वडोदरा में सफलतापूर्वक पार करने में अहम साबित हुई थी।

नंबर-1 रैंक पर सबसे ज्यादा दिन रहने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	दिन
विव रिचर्ड्स	2306
ब्रायन लारा	2079
माइकल बेवन	1361
बाबर आजम	1359
एबी डिविलियर्स	1356
डीन जोन्स	1161
कीथ फ्लेचर	1101
हाशिम अमला	1047
ग्रेग चैपल	998
विराट कोहली	825

2013 में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे कोहली

कोहली ने यह रैंकिंग पहली बार अक्तूबर 2013 में हासिल की थी और यह उनका 11वां अलग-मौका है जब वह नंबर-एक बने हैं। आज की तारीख तक, वे कुल 825 दिनों तक नंबर-एक पर रह चुके हैं, जो दुनिया में 10वां सबसे लंबा और किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए थे 28000 रन: विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे कर लिए थे। यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होंने न्यूजीलैंड के स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर जोरदार शॉट लगाकर हासिल की थी। इसके साथ ही कोहली सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए। खास बात यह रही कि कोहली ने यह कारनामा सिर्फ 624 पारियों में कर दिखाया, जिससे वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

केएल राहुल एक स्थान ऊपर आए

वनडे रैंकिंग में अन्य भारतीयों की बात करें तो कप्तान शुभमन गिल पांचवें और श्रेयस अय्यर 10वें स्थान पर बरकरार हैं।

वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह 11वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं, गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज पांच स्थान की छलांग लगाकर 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर के बीच कोई मनमुटाव नहीं : सितांशु कोटक

मुंबई। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने दावा किया कि गौतम गंभीर, रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच कोई विवाद या संवाद की कमी नहीं है। तीनों 2027 वर्ल्ड कप योजनाओं पर चर्चा करते हैं। इस बयान के बाद ड्रेसिंग रूम विवाद की अफवाहों पर प्रभावी रूप से विराम लग गया।

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मंगलवार को कहा कि हेड कोच गौतम गंभीर और सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर के बीच कोई मनमुटाव या संवादहीनता नहीं है। कोटक ने कहा कि दोनों सीनियर खिलाड़ी नियमित रूप से गंभीर से क्रिकेट और वर्ल्ड कप योजनाओं पर चर्चा करते हैं। यह बयान भारत और न्यूजीलैंड के बीच राजकोट में बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे से एक दिन पहले आया।

2027 विश्व कप को लेकर चर्चा: कोटक ने यह भी बताया कि रोहित और कोहली, 2027 वनडे विश्व कप (दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होना है) को लेकर बातचीत कर चुके हैं। उन्होंने कहा, 'रोहित और कोहली गौतम के साथ वनडे फॉर्मेट, होने वाले मैचों और दक्षिण अफ्रीका जाने की हमारी योजनाओं पर नियमित चर्चा करते हैं। ज्यादातर समय मैं वहां होता हूं और जब भी मैं सुनता हूं, तो वे अपने अनुभव जरूर साझा करते हैं।

सीनियर खिलाड़ियों की प्रोफेशनल प्लानिंग

कोटक ने आगे स्पष्ट किया कि दोनों खिलाड़ी बेहद अनुभवी हैं और अपनी तैयारी खुद तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, दोनों बहुत सीनियर और अनुभवी हैं। वे निश्चित रूप से योजनाएं बनाते हैं। अगर उन्हें लगे कि जरूरत है, तो वे पहले ही किसी स्थल पर पहुंचकर अभ्यास करते हैं। वे जानते हैं कि वे एक फॉर्मेट खेल रहे हैं और चाहते हैं कि जब वे टीम में हों, तो भारत हर जगह जीते।' उन्होंने आगे कहा, 'वे जानते हैं कि उनके शरीर को क्या चाहिए, फिटनेस क्या चाहिए, और बल्लेबाजी में क्या चाहिए। वे पूरी तरह प्रोफेशनल हैं, उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं कि क्या करना है। बल्कि उनके पास इतना अनुभव है कि वे दूसरे खिलाड़ियों को भी कई आइडियाज दे सकते हैं और वे चर्चा भी करते हैं।'

भारतीय अंडर-19 टीम के 5 खिलाड़ी मचा सकते हैं तबाही

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 टीम में इस बार आक्रमण, स्थिरता, अनुभव और विविधता का शानदार मिश्रण है। वैभव और कुंडू जैसे बल्लेबाज जहां बड़े स्कोर बना सकते हैं, वहीं दीपेश और चौहान जैसे खिलाड़ी गेंदबाजी से मैच पलटने की क्षमता रखते हैं। यही वजह है कि भारत इस विश्व कप में फिर से खिताब का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

भारतीय अंडर-19 टीम इस बार भी ऐसे खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर रही है जो अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इस लिस्ट में पांच नाम खास तौर पर चर्चा में हैं। दो बल्लेबाज जिनका औसत 50 से ऊपर है और एक ऐसा खिलाड़ी जिसने पाकिस्तान के खिलाफ कहर बरपाती गेंदों से अपनी धाक जमाई थी।

1. वैभव सूर्यवंशी: टीम का रन-मशीन: वैभव सूर्यवंशी पिछले दो साल से लगातार रन बना रहे हैं और उनकी स्थिरता उन्हें टीम का सबसे बड़ा एक्स-फैक्टर बनाती है। 2024-2026 के बीच खेले गए 18 मैचों में उन्होंने 973 रन ठोके हैं, जिसमें 171 रन की पारी भी शामिल है। उनका बल्लेबाजी औसत 54.05 है, जो बताता है कि वे सिर्फ रन नहीं बनाते बल्कि टीम को जीत की तरफ धकेलते हैं।

2. अभिज्ञान कुंडू: मिडिल ऑर्डर का भरोसा: अभिज्ञान कुंडू का औसत 54.88 है जो किसी भी स्तर पर शानदार माना जाता है। 15 मैचों में उन्होंने 494 रन बनाए है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 87* है। वे परिस्थिति के हिसाब से खेलना जानते हैं, चाहे टीम पर दबाव हो या फिर तेजी से रन बनाने हों।

3. आयुष म्हात्रे: कभी भी गीयर बदल सकते हैं: टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे को एक ऐसे बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है जो बिना किसी डर के, लेकिन पूरी कंट्रोल के साथ खेलते हैं। उन्हें आर्किटेक्ट कहा जाता है क्योंकि वे जानते हैं कि कब जोखिम लेना है, कब स्ट्राइक रोटेट करनी है और कब साथी खिलाड़ियों को शांत रखना है।

4. कनिष्क चौहान: दोहरी भूमिका में माहिर: भारत के उभरते ऑलराउंडर कनिष्क चौहान टीम के लिए एक महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। 2025-26 में उन्होंने 258 रन बनाए हैं और 15 विकेट भी चटकाए हैं। उनकी गेंदबाजी इकोनॉमी 4.51 रही है जो बेहद मूल्यवान है।

5. डी. दीपेश: पावरप्ले का स्पेशलिस्ट: डी. दीपेश शुरूआती ओवरों में गेंद स्विंग कराने में माहिर हैं। पिछले दो साल में उन्होंने 10 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। 16 रन देकर तीन विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग स्पेल रही है। हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने तीन विकेट लेकर कहर बरपाया था। उनका 27.86 का औसत और जल्दी विकेट निकालने की कला उन्हें विरोधी बल्लेबाजों के लिए खतरा बनाती है।

क्या भारत एक बार फिर खिताब अपने नाम करेगा

नई दिल्ली। भारत ने अब तक पांच बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता है और हर खिताब किसी युवा कप्तान के नेतृत्व का परिणाम रहा। जैसे ही अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने जा रहा है, एक बार फिर उम्मीदें हैं कि भारत अपनी श्रेष्ठता कायम रखेगा और नया कप्तान सामने आएगा।

आईसीसी अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप 2026 इस बार दो अफ्रीकी देशों, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 15 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। फाइनल छह फरवरी को खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने से पहले यह टूनार्मेंट युवाओं को वैश्विक मंच देता है, जहां से कई खिलाड़ी आगे जाकर विश्व क्रिकेट के बड़े सितारे बनते हैं।

टीम इंडिया ने पांच बार जीता खिताब

भारत इस टूर्नामेंट की दिग्गज टीम है। भारत ने सबसे ज्यादा पांच बार यह खिताब जीता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया चार बार, पाकिस्तान दो बार और वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड एक-एक बार चैंपियन रहे हैं। पिछला संस्करण 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर जीता था। जैसे ही 2026 का संस्करण करीब आ रहा है, एक बार फिर चर्चा है कि कौन भारत के लिए अगला महान युवा कप्तान बनेगा?

कुल नौ बार फाइनल में पहुंच चुकी टीम इंडिया

अंडर-19 स्तर पर भारत को चैंपियन बनाने की सूची छोटी, लेकिन बेहद प्रभावशाली रही है। टीम इंडिया कुल नौ बार अंडर-19 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है और अब तक पांच भारतीय कप्तान टीम को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने में सफल रहे। इन अभियानों में जो बात समान रही, वह थी भारत की बेंच स्ट्रेंथ, अनुशासन और बड़े मंच पर दबाव झेलने की क्षमता।

1. मोहम्मद कैफ (2000): अंडर-19 वनडे विश्व कप की शुरूआत 1988 में हुई थी, लेकिन भारत को पहला खिताब जीतने में 12 साल लग गए। श्रीलंका इसका मेजबान था। पहले खिताब ने भारत को बड़ा ब्रेक-थ्रू दिया और दुनिया को भविष्य के सीनियर स्टार्स का झलक दिखाई। तब मोहम्मद कैफ की कप्तानी में भारत ने श्रीलंका को फाइनल में हराकर खिताब जीता था।

2. विराट कोहली (2008): यह टूनार्मेंट भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा मोड़ साबित हुआ क्योंकि इस अभियान में मिली आत्मविश्वास की नींव ने आगे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर दिखाया। 2000 के बाद साल 2002, 2004 और 2006 में टीम इंडिया खिताब नहीं जीत सकी। 2006 में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को फाइनल में पाकिस्तान से शिकस्त मिली थी। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने अदम्य साहस दिखाया।

3. उनमुक्त चंद (2012): 2008 के बाद भारत 2010 में खिताब नहीं जीत सका। हालांकि, 2012 के खिताब ने भारत की युवा संरचना को मजबूत किया और चयन प्रणाली के मॉडल को परखा।

4. पृथ्वी शॉ (2018): भारत ने वर्चस्व के साथ ट्रॉफी उठाई और कई खिलाड़ियों ने बाद में आईपीएल और टीम इंडिया में जगह बनाई। न्यूजीलैंड में खेले गए इस संस्करण में भारत ने पृथ्वी शॉ की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम के कई खिलाड़ियों ने बाद में भारतीय सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया।

5. यश ढुल (2022): 2020 में भारत फाइनल में पहुंचा, लेकिन उसे बांग्लादेश से शिकस्त झेलनी पड़ी। ऐसे में यश ढुल की अगुआई में भारत की नजर चैंपियन बनने पर थी। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में अपना वर्चस्व साबित किया और लगातार अच्छे प्रदर्शन से दिखाया कि दुनिया के टॉप जूनियर प्रोग्राम्स में उसका स्थान सबसे ऊपर है। 2026 से उम्मीदें और मुकाबला: 2024 में भारतीय टीम फाइनल में तो पहुंची, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अब 2026 में 16 टीमें फिर ट्रॉफी के लिए लड़ेंगी। भारत के सामने ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी पारंपरिक चुनौती फिर खड़ी होगी। चयनकर्ताओं की निगाहें उन युवा खिलाड़ियों पर होंगी जो अगला बड़ा सितारा बन सकते हैं। भारतीय टीम में आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे स्टार मौजूद हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी लीग आईपीएल में अपना जलवा बिखेर चुके हैं।

2026 अंडर-19 विश्व कप में भारतीय स्क्वॉड: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरएस अम्ब्रिश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एनान, एरॉन जॉर्ज, अभिग्यान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उद्धव मोहन, हेनिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्वंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल्स में भारत का सफर

भारत कब-कब फाइनल जीता

साल	विरोधी टीम	नतीजा	विवरण
2000	श्रीलंका	जीत	भारत ने श्रीलंका को हराकर पहला व19 खिताब जीता
2008	दक्षिण अफ्रीका	जीत	बारिश से प्रभावित मैच में ऊ/छ पर भारत जीता
2012	ऑस्ट्रेलिया	जीत	टाउन्सविल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को मात दी
2018	ऑस्ट्रेलिया	जीत	माउंट माउंगानुई में चौथा खिताब जीता
2022	इंग्लैंड	जीत	नॉर्थ साउंड में इंग्लैंड को हराकर पांचवां खिताब जीता

भारत कब-कब हारा

साल	विरोधी टीम	नतीजा	विवरण
2006	पाकिस्तान	हार	कोलंबो में पाकिस्तान से हार
2016	वेस्टइंडीज	हार	मीरपुर में वेस्टइंडीज से हार
2020	बांग्लादेश	हार	पोटचेफस्ट्रूम में बारिश प्रभावित मैच में हार
2024	ऑस्ट्रेलिया	हार	बेनोनी में ऑस्ट्रेलिया से हार

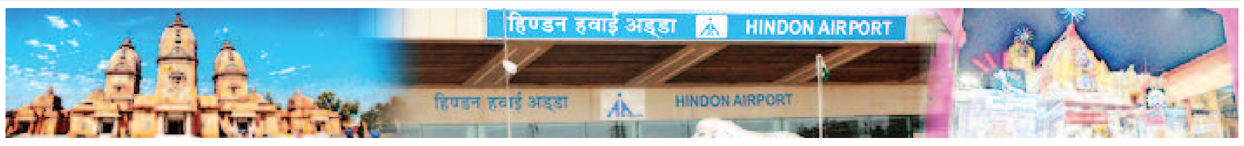

नम आंखों से दी गई स्वर्गीय सुखबीरी देवी को श्रद्धांजलि, नम आंखों से किया याद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सुखबीरी देवी का निधन 3 जनवरी को हो गया था। उनकी शोक सभा बुधवार को कवि नगर में आपका भवन में आयोजित की गई। शोक सभा में समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंचकर स्वर्गीय सुखबीरी देवी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

अखिल भारतीय किसान संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। अखिल भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह चौहान की सहमति से नई कार्यकारिणी का संगठन किया गया। इस दौरान सुबोध चौधरी, चौधरी लोकेंद्र सिंह, दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर और बुके भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला और पूरे परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण रहा।

समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें मुख्य रूप से चौधरी सतबीर सिंह, पार्षद विनय चौधरी, पार्षद हिमांशु चौधरी, नरेंद्र पांचाल, आदित्य वर्धन ढाका, सुमित कुमार, विकास सिंह, रॉबिन चौधरी, संदीप सियाल और विशाल शर्मा।

पदाधिकारियों का संकल्प : अपने संबोधन में सुबोध चौधरी और चौधरी लोकेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा: हम किसानों के हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना हमारी प्राथमिकता होगी।

क्यों आ गया साहब को गुस्सा, जब मातहत ने लिया उनका नाम

किस्सा सीवर वाले महकमे से निकला है और विकास वाले महकमे तक गूंज रहा है। साहब की हमेशा तारीफ करने वाले टेंडर मैन बता रहे हैं कि अजी हमारा तो नुकसान हो गया। और हुआ ये कि गेंहू के साथ घुन भी पिस गये। महकमा सूत्र बता रहे हैं कि साहब अच्छा खासा साईन कर रहे थे और पता नहीं किस घड़ी में भुगतान वालों की जुबान से उनका नाम निकल गया। कान में इतना ही बताया कि ये वाली फाईल उनकी है, बस ईधर कान में बात आयी और उधर जुबान का लहजा कठोर हो गया। सबसे पहले तो साहब ने फाईल लेकर पहुंचे मातहत को समझाया कि महकमे के सुलतान हम हैं और तुम्हें इतना भी नहीं पता कि महकमा हमारे सिगनेचर से चलता है , उनके सिगनेचर यहां नहीं चलते। दरअसल फाईल ही आधा करोड़ की थी और साहब ने पूरी मरोड़ निकाल दी। इसके बाद पहले वो फ ाईल हटी और उस फाईल के चक्कर में जो फाइल आराम से पास होनी थी वो भी फेल हो गयीं। सुनते हैं कि इसके बाद भुगतान वाले को ये भी बता दिया कि गीता की कसम खाकर इस बात को समझ लो कि वो सीट अभी तक खाली पड़ी है।

बना-बना कर गुट, शेर और घोड़े वाले हो रहे हैं पार्क में एकजुट

राजनीति का सीजन चल रहा है और वो तो महकमा ही ऐसा है कि जहां पहली ईंट से राजनीति शुरू होती है और आखिरी रोड़े तक पोलिटिक्स चलती है। वाहन चालकों की अपनी यूनियन अपनी पोलिटिक्स है। झाड़ू वालों की अपनी यूनियन है और जहां 100 नेता इकट्ठे हो रहे हैं वहां कर्मचारी एकता का नारा भी गूजेंगा ही। कुछ दिन पहले यहां चुनाव की मिठाई बंटी। शेर और घोड़ा एक दूसरे को ललकार रहे थे। अब जब मिठाई बंट गई तो उसके बाद दूसरे गुट को रूल्स एंड रेग्यूलेशन याद आये। वो बता रहे हैं कि एज पर रूल तो चुनाव फरवरी में होना था। चुनाव पहले हो गया तो ये चुनाव अवैध है। सर्दी की खिली धूप में पार्क के अंदर शेर और घोड़े वाले गुट बना बनाकर एक जुटता की बातें कर रहे हैं। कितनी एकजुटता कायम होगी ये देखा जायेगा। मगर बुधवार को धूप के साये में कोई तो मोटीवेशन दे रहा था।

विधायक जी पता तो करो कौन काट रहा है 50 रूपये में 2 घंटे की पार्किंग पर्ची

रूल अगर रूल है तो फिर वो सभी के लिए एकसमान हैं। विधायक जी ने दिवाली के समय जाम की चिंता की और इतनी चिंता की कि एसपी ट्रैफिक को फेल कर दिया। सांसद प्रतिनिधि को भी पत्र लिख दिया और फिर सांसद टोला भी कूदा और एक स्वर में कहा कि निशुल्क पार्किंग के लिए मैदान दो। जब जगत और राज ने 20 रूपये की पर्ची कटवा दी तो शोर मचा कि ये तो नाबालिग बच्चों से वसूली हो रही है। जब हमने कहा था कि फ्री पार्किंग होनी है तो ऐसे कैसे। सीन में तहरीर आ गई सीन में पुलिस आ गई। मगर विधायक जी अब जहरा ये तो पता करो कि उसी मैदान में कौन है जो 50 रूपये की पर्ची काट रहा है। कौन है जो दो घंटे की पार्किंग के 50 रूपये ले रहा है। विधायक जी ये भी पता करो कि पर्ची वाली स्कीम लेकर कौन आया है। 50 हो 30 हो 20 हो मगर जब निशुल्क की बात थी तो फिर किस बात की फीस हो। अगर विधायक अपनी बात पर खरे हैं तो ये बात भी समझ से परे है कि उस मैदान में कौन है जो फ्री पार्किंग के ऐलान के बाद भी पैसे की वसूली कर रहा है। खुलासा तो होना ही चाहिए।

दाखिला कराने के नाम पर 70.51 लाख हड़पने का आरोप

नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 4 लोगों के खिलाफ एमडी रेडियोलॉजी में दाखिला दिलाने के नाम पर 70.51 लाख रुपये हड़पने का केस दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने मुंबई के डीवाई पाटिल चिकित्सा विज्ञान यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाया, लेकिन दाखिले की फीस अपने बैंक अकाउंट में जमा करवाई। यूनिवर्सिटी में फीस जमा नहीं होने से दाखिला भी रद्द हो गया। अब पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

सूरजपुर निवासी महेंद्र सिंह पाल पेशे से पशु चिकित्सक हैं। उन्होंने केस दर्ज कराकर आरोप लगाया है कि उनकी पहचान नोएडा निवासी बाबूराम से थी। वहीं पर निलेश निवासी अंधेरी नवी मुंबई से हुई थी। उसने अपने आप को डीवाई पाटिल चिकित्सा विज्ञान यूनिवर्सिटी में दाखिला विंग में मैनेजर बताया था। इस बीच उनके बेटे डॉ. नितिन पाल ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। आरोप है कि निलेश ने शास्त्री नगर जयपुर निवासी लव व कुश से मुलाकात कराई और दोनों को यूनिवर्सिटी में भागीदार बताया। उन्होंने डीवाई पाटिल स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड विज्ञान सेक्टर-5 नवी मुंबई के एमडी रेडियोलॉजी में प्रबंधक कोटे से कराने का वादा किया। दाखिला 1.03 करोड़ रुपये में तय हुआ था।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

- टक्कर मारने वाले ट्रक चालक का अभी पता नहीं चल पाया है
- शिकायत पर एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। एक घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा 9 जनवरी की रात सेक्टर-129 के सामने हुआ। तीनों घायलों को गंभीर हालत में नजदीकी निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया जहां से सफदरजंग भेजा गया था। शिकायत पर एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले ट्रक चालक का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसा जिस जगह पर हुआ वहां पुलिस को हेलमेट नहीं मिला है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह जांच की जा रही है कि बाइक सवार युवकों ने हेलमेट लगाया था या नहीं।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शिकायत संतकबीर नगर के खलीलाबाद निवासी अमित की तरफ से दी गई है। अमित ने बताया है कि 9 जनवरी की रात उनके चाचा पंकज कुमार साथी विवेक कुमार और गुलशेर अली को बाइक पर लेकर परी चौक से होते हुए नोएडा आ रहे थे। रात ग्यारह बजे के करीब एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार तीनों युवक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया था।

हालत गंभीर होने के चलते इलाज के दौरान ही विवेक और पंकज की मौत हो गई। गुलशेर अली की हालत गंभीर है। थाना प्रभारी अमित खारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

ट्रेनों की रफ्तार पर कोहरे ने लगाया ब्रेक

हापुड़। कोहरे के कारण मंगलवार को ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। सुबह के समय रेलवे स्टेशन आने वाली अधिकांश ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चलकर आईं।

सहरसा जंक्शन से चलकर अमृतसर जंक्शन को जाने वाली गरीब रथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से आठ घंटे, प्रयागराज संगम से सहारनपुर जंक्शन जा रही नौचंदी एक्सप्रेस चार घंटे, बरेली जंक्शन से नई दिल्ली जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस तीन घंटे 10 मिनट, बनारस से चलकर नई दिल्ली जाने वाली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस तीन घंटे, प्रतापगढ़ जंक्शन से दिल्ली जंक्शन को जा रही पद्मावत एक्सप्रेस दो घंटे 40 मिनट, लालगढ़ जंक्शन से डिब्रूगढ़ जाने वाली अवध असम एक्सप्रेस तीन घंटे, देहरादून से दिल्ली जंक्शन जाने वाली मसूरी एक्सप्रेस एक घंटा 40 मिनट देरी से चलकर रेलवे स्टेशन आई।

दलित महिला की हत्या के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

हापुड़। मेरठ के गांव में दलित महिला की हत्या के विरोध में कांग्रेसियों ने पिलखुवा में कैंडल मार्च निकाला। इसमें कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस मामले में दोषी पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा है कि मेरठ में दलित समाज की महिला की निर्मम हत्या कर दी गई। जब पीड़ित परिवार से मिलने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता मेरठ पहुंचे तो उन्हें नहीं मिलने दिया गया। इस घटना के विरोध में कांग्रेस पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश के हर जिले में कैंडल मार्च निकाल रही है।

पिलखुवा नगर अध्यक्ष रजनीश त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार में दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं है। उत्तर प्रदेश में कोई जनपद ऐसा नहीं है जहां दलित समाज की बहन बेटियों के साथ घटनाएं न हो रही हो। अभी हाल ही में मेरठ में दलित समाज की एक महिला की जिस तरह से निर्मम हत्या कर दी गई।

पुलिस ऑफिस अब नजर आएगा और हाईटेक

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार रिनोवेशन वाला काम चल रहा है। तो कल तक जो स्थान पुराने, बेहाल और बेकार नजर आते थे, वहां की अब तस्वीरें और तकदीर बदल चुकी है। तो अब सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का ऑफिस भी पहले से ज्यादा हाईटेक नजर आएगा। बताया जा रहा है कि बीते दिनों यहां एसीपी ऑफिस, कमिश्नर स्टाफ कक्ष, जनसुनवाई कक्ष, डीसीपी ट्रैफिक, एडिशनल सीपी ट्रैफिक कनविक्शन सेल, वीआईपी कक्ष और अन्य महत्वपूर्ण कमरों को सुधार दिया गया है। तो वहीं पुलिस मुख्यालय वाले साहब के ऑफिस की भी रंगत बदल गई है। बाहर से लाइटिंग हो गई है, तो अंदर भी सजावट की गई है। इसके साथ ही पुलिस ऑफिस के फ्लोर से लेकर फर्स्ट फ्लोर तक का इनोवेशन होने के साथ उसे हाईटेक बना दिया गया है। गेट और कोने बेहतर कर दिए गए हैं। तो वहीं लाइटिंग से लेकर नई व्हाइट वॉश और अन्य व्यवस्थाएं भी दुरुस्त की गई हैं। जो गार्डन बनाया गया था, उनके पेड़ों पर तिरंगे रंग में कर दिया गया है और आने वाले गणतंत्र

दिवस के महापर्व के लिए तिरंगी लाइटिंग को भी जल्द यहां दशार्या जाएगा ताकि पुलिस कमिश्नर का ऑफिस दूर से ही देशभक्ति के पर्व पर नजर आए। इन सबके बीच चर्चा यह भी सुनाई दे रही है कि जिस तरीके से बहुप्रतिशत आईपीएस अधिकारियों वाली लिस्ट के आने का वेट है ,तो हाईटेक हो चुके कार्यालय का आनंद कौन-कौन स्तर का अधिकारी ले पाता है। इन सबके बीच जानकारी इस बात की भी है की सिटी वाले साहब का परिसर और उनके एसीपी और कोतवाली का भी काम तेज रफ्तार से चल रहा है। अब देखना होगा कि 26 जनवरी पर किस जोन के किस सर्किल में बड़ा खाना होता है। कुल मिलाकर जब से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम वाले हालात क्या बनते हैं, तो हाल बदल रहा है। थाने, कार्यालय और लाइन से लेकर अन्य परिसर हाईटेक और सुंदर बनाए जा रहे हैं। जहां कल तक असुविधा, गंदगी और पुरानापन नजर आता था। अब उसे बेहतर, सुंदर और आकर्षक बनाया गया है। कुल मिलाकर कमिश्नर की यह बड़ी सफलता और मॉडर्न लुक कमिश्नरेट का मॉडल दूर तक प्रदर्शित किया जा चुका है। वहीं अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में अब कौन से नए और बेहतर कार्य कमिश्नरेट पुलिस गाजियाबाद में शुरू और अंजाम तक पहुंच जाते हैं।

इधर आया ग्रुप पर मैसेज और उधर छा गया सन्नाटा किसने कहा दूसरों की जमकर तारीफ और हमारे नाम पर घाटा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वैसे तो गाजियाबाद में इतने जनप्रतिनिधि हैं कि कहा जा सकता है कि यहां जनप्रतिनिधियों की फौज है। आजकल सोशल मीडिया का जमाना है और सभी ने अपने अपने ग्रुप भी बना रखे हैं। मंडल की भाजपा का ग्रुप अलग है और जनप्रतिनिधियों की फौज का ग्रुप अलग है।

सभी अपने अपने विचार साझा करते हैं और आज की सूचना क्रान्ति के दौर में ये ठीक भी है। लेकिन इस क्रान्ति के दौर में ये भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि अगर हम किसी को ग्रुप पर साईलेंट मोड पर समझ रहे हैं तो ये हमारी भूल है क्योंकि भले ही साईलेंड मोड वाला व्यक्ति रिएक्ट ना कर रहा हो लेकिन वो ऑब्जर्व तो हर बात को कर रहा है। बताते हैं कि एक क्षेत्र में सड़क का निर्माण हो रहा था। निर्माण रात के समय में हो रहा था और सीसी रोड के निर्माण का क्रेडिट वाला फोटो एक जनप्रतिनिधि ने रात में ही ग्रुप पर साझा किया। फोटो तो सुबह भी साझा हो सकता था लेकिन जनप्रतिनिधि ये बताना चाहते थे कि वो विकास की रेस में सबसे कर्मठ फेस हैं। उनके यहां विकास घड़ी की सुईयां नहीं देख रहा है और विकास सूरज और चांद में भी फर्क नहीं कर रहा है। रात में भी विकास हो रहा है और देखो मेरे क्षेत्र में सीसी रोड का निर्माण हो रहा है। उन्होंने ये फोटो व्हाटसऐप ग्रुप पर डाल दिया। अब सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले लोग भी हमेशा एक्टिव रहते हैं। जब सीसी रोड का ये फोटो आया तो सभी ने इस फोटो की सराहना की।

क्योंकि सेल्फी रोड का फोटो अपलोड होते ही प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई। बताने वाले बता रहे थे कि मेरे क्षेत्र में काम हो रहा है। सीधी सी बात थी कि क्रेडिट की जंग है। सेल्फी विद रोड वाला रंग है। सभी ने तारीफ भी की। लेकिन जिन्होंने ये फोटो अपलोड किया था उन जनप्रतिनिधि को ये नहीं पता था कि सुबह तक इस क्रेडिट को एडिट भी करना पड़ जायेगा। बताते हैं कि इस पर दूसरे जनप्रतिनिधि की नजर पड़ गई। अब छोटे जनप्रतिनिधि ने विकास की सेल्फी डाली थी लेकिन बड़े जनप्रतिनिधि ने इसे सेल्फ मोड पर लिया और लिख दिया कि कभी हमारी भी तारीफ कर दिया करो। बात कहने का अर्थ ये था कि तुम जिस बात का, जिस विकास का, जोर शोर से यहां जिक्र कर रहे हो। उस विकास में हमारा भी योगदान है और इसकी भी फिक्र करनी चाहिए। नैतिक रूप से ये बात बिल्कुल सही थी कि अगर किसी व्यक्ति ने किसी विकास में किसी कार्य में योगदान दिया है तो उनका जिक्र जरूर होना चाहिए।

ये इस तरह से था कि अगर किसी भी बात में किसी बड़े कवि या शायर का कोई शेर लिख रहे हो तो ये शिष्टाचार है कि उनके नाम का भी जिक्र जरूर हो। सूत्र बताते हैं कि जब ग्रुप पर ये मैसेज आया तो फिर सन्नाटा छा गया। सेल्फी विद रोड की तारीफ में कसीदे पढ़ रहे कई मैम्बर भी साईलेंट हो गये। वहीं अन्य सदस्यों का कहना था कि बात तो सही है। जिनकी वजह से ये काम हो रहा है उनका भी उल्लेख होना चाहिए। ये राजनीतिक ईमानदारी का भी तकाजा है। बहरहाल कमेंट के बाद एकदम सन्नाटा छा गया और यहां किनकी बात हो रही है इस बात को पहाड़ी बाबू समझ तो गये ही होंगे।

एलआईयू जांच के दौरान 22-डी सोसाइटी से भागे विदेशी विद्यार्थी

नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-22डी सोसाइटी में बुधवार सुबह उस समय हंगामा हो गया, जब लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) की टीम विदेशी छात्रों का सत्यापन करने पहुंची। जांच की जानकारी मिलते ही बहुत से विदेशी छात्र भाग खड़े हुए। 26 जनवरी की सुरक्षा को लेकर एलआईयू विदेशी नागरिकों का सत्यापन कर रहा है। हालांकि, जांच में छह विद्यार्थियों की वीजा अवधि समाप्त पाई गई तो उन्हें जल्द वीजा अवधि अपडेट करने की हिदायत दी है। यमुना सिटी के 22डी सोसाइटी के सेक्टर में बड़ी संख्या में विदेशी विद्यार्थी रहते हैं। इनमें अफ्रीकी (नाईजीरियाई) मूल के बड़ी संख्या में छात्र हैं। लंबे समय से सोसाइटी के नागरिक इन छात्रों पर मादक पदार्थ उपयोग करने और सोसाइटी में हंगामा करने का आरोप लगा रहे थे। सोसाइटी में अफोर्डेबल और हाईराइज बिल्डिंग में लगभग 20 से अधिक फ्लैटों में विदेशी विद्यार्थी रह रहे हैं। इस समस्या को अमर उजाला ने पिछले दिनों प्रमुखता से उठाया था।

बुधवार सुबह एलआईयू निरीक्षक पारूल पुनिया की टीम 22डी सोसाइटी में विदेशी विद्यार्थियों के सत्यापन के लिए पहुंची। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर दनकौर कोतवाली पुलिस भी साथ में थी। सत्यापन की जानकारी पर ही बहुत से विदेशी विद्यार्थी सोसाइटी से भाग गए।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दुनिया कितनी भी सुंदर हो लेकिन घर लौटने का सुकून अलग है। पवन शर्मा ने सफर से लौटकर अपनी यादों को फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। सफर सुकून दोस्त और आभार की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल में सेवा पखवाड़े के तहत आधार आयुष्मान और नेत्र जांच शिविर संपन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय व्यापार मंडल 'गजप्रस्थ' के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत नेहरू नगर स्थित नेहरू वर्ल्ड स्कूल में एक विशाल जन-सुविधा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर शुरू हुई इस श्रृंखला का यह तीसरा कैंप था, जिसमें 175 से अधिक स्थानीय निवासियों ने सरकारी सेवाओं और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

डाक विभाग, स्वास्थ्य विभाग और श्रेया आई सेंटर (जयपुरिया मॉल) के सहयोग से आयोजित इस शिविर में मुख्य रूप से तीन सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। कैंप में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के 'आयुष्मान कार्ड' बनाए गए। साथ ही, डाक विभाग की टीम ने 18 वर्ष तक के बच्चों के नए आधार कार्ड बनाए और पुराने कार्डों में त्रुटियों को सुधारा। श्रेया आई सेंटर की टीम द्वारा लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच की गई।

गरिमामयी उपस्थिति : शिविर का विधिवत उद्घाटन व्यापारी नेता पंडित अशोक भारतीय ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद अमित त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में रिटायर्ड आईएएस ओमवीर वीरवाल, अशोक राव, मनु वशिष्ठ, अभिनव शर्मा, प्रमोद चौधरी और कैलाश परिहार जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत कर आयोजन की सराहना की।

कैंप को सफल बनाने में विभिन्न विभागों का सराहनीय योगदान रहा। डाक विभाग से तहसीन, बिलाल, अनुराग और हेमंत ने पूरी तन्मयता से आधार कार्ड संबंधी कार्य निपटाए। वहीं, श्रेया आई सेंटर से हिमांशु, पंकज व सुभाष और स्वास्थ्य विभाग से सौरभ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। पंडित अशोक भारतीय ने बताया कि सेवा पखवाड़े के तहत पहला कैंप राज पब्लिक स्कूल और दूसरा लोटस सोसाइटी में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल का उद्देश्य जनता को उनके घर के नजदीक सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना है।

ईरान बनाएगा अमेरिकी ठिकानों को निशाना

सऊदी-UAE जैसे क्षेत्रीय देशों को दी ये बड़ी चेतावनी

तेहरान। ईरान इस समय दो तरफा खतरों का सामना कर रहा है। जहां एक ओर ईरान में दो हफ्तों से बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं, तो दूसरी ओर अमेरिका की तरफ से लगातार सैन्य कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं। ऐसे में अमेरिकी हमले की बढ़ती संभावनाओं के बीच ईरान का बड़ा बयान सामने आया है। ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और तुर्किय सहित कई क्षेत्रीय देशों को चेतावनी दी है। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका पर हमला करता है, तो वह इन देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएगा।

एक तरफ अमेरिका लगातार ईरान पर सैन्य हमले की धमकी कह रहा है। दूसरी ओर ईरान भी अमेरिका को उसी के लहजे में जवाब देता नजर आ रहा है। कारण है कि अमेरिकी हमले की बढ़ती संभावनाओं के बीच ईरान ने अपने क्षेत्रिय देशों को बड़ी चेतावनी दी है।

ईरान की ओर से दी गई इस चेतावनी से एक बात को स्पष्ट है कि ईरान चाहता है कि ये देश अमेरिका को इरान पर हमला करने से रोकें। दूसरी ओर यह संदेश भी साफ है कि ईरान अमेरिका के हमले का जवाब देने के लिए तैयार है और यह जवाब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अमेरिका के ठिकानों पर भी होगा।

ईरान की चेतावनी से बढ़ सकता है तनाव?

बता दें कि ट्रंप के लगातार सैन्य हमले के संकेत के बीच ईरान की ये क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकती है, खासकर खाड़ी देशों और मध्य पूर्व में। इसका बड़ा कारण है कि अमेरिका, सऊदी अरब, यूएई और तुर्किय के लिए यह सुरक्षा और कूटनीति का चुनौतीपूर्ण मामला बन सकता है। ऐसे में ईरान की यह चेतावनी रखरखाव और सतर्कता के लिए है।

दूसरी ओर यह संकेत देती है कि किसी भी हमले का तत्काल और गंभीर जवाब ईरान की ओर से भी दिया जाएगा।

कार्रवाई तुरंत और तेजी से करें- मुख्य न्यायाधीश

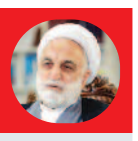

मामले में ईरान के मुख्य न्यायाधीश घोलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने बुधवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि यदि कोई कार्रवाई करनी है तो उसे तुरंत और तेजी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा अगर किसी काम को दो-तीन महीने बाद किया जाए, तो उसका असर नहीं रहता। अगर कुछ करना है, तो तुरंत करना होगा।

प्रदर्शनकारियों पर ईरान की सख्ती

दूसरी ओर अब ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच वहां की न्यायपालिका ने गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तेज सुनवाई और फांसी के संकेत दिए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है।

अब तक 2,571 लोगों की मौत

बता दें कि मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अब तक कम से कम 2,571 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बीते कई दशकों में ईरान के किसी भी आंदोलन से कहीं अधिक है और 1979 की इस्लामी क्रांति के समय की स्थिति की याद दिलाता है।

स्पेन की अगली महारानी बनेंगी राजकुमारी लियोनोर

मैड्रिड। स्पेन की 20 वर्षीय राजकुमारी लियोनोर, देश की अगली महारानी बनेंगी। किंग फेलिप और रानी लेटिजिया की बड़ी बेटी राजकुमारी लियोनोर एक प्रशिक्षित पायलट हैं और कई भाषाओं की जानकार हैं। स्पेन में 150 वर्षों के बाद किसी महारानी का राज होगा। स्पेन में एक इतिहास रचने की तैयारी हो रही है। दरअसल 150 वर्षों में पहली बार वहां एक महारानी का राज होगा। स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर स्पेन की पहली रानी बनेंगी। इससे पहले 1800 सदी में इसाबेला द्वितीय स्पेन की महारानी बनीं थीं।

20 साल की राजकुमारी प्रिंसेस लियोनोर, स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की बड़ी बेटी हैं।

स्पेनिश राजशाही पर 1700 के दशक की शुरूआत से बॉर्बन राजवंश का कब्जा रहा है। बॉर्बन राजवंश ने उत्तराधिकारी की लड़ाई में हैब्सबर्ग्स को हराया था। जनरल फ्रेंको की तानाशाही खत्म होने के बाद साल 1975 में किंग जुआन कार्लोस प्रथम के साथ स्पेन में फिर से राजशाही बहाल हुई। किंग जुआन कार्लोस प्रथम ने स्पेन में लोकतंत्र में बदलने में अहम भूमिका निभाई। साल 2014 में किंग कार्लोस ने गद्दी छोड़ दी और सिंहासन अपने बेटे फेलिप को सौंप दिया। अब किंग फेलिप के बाद राजकुमारी लियोनोर स्पेन की सत्ता संभालेंगी।

राजकुमारी लियोनोर ने वेल्स के अटलांटिक कॉलेज से उच्च शिक्षा हासिल की है। साथ ही वे स्पेन की सेना, नौसेना और वायुसेना में भी ट्रेनिंग पूरी कर चुकी हैं, जो स्पेन के राजघराने के सदस्यों को करनी अनिवार्य होती है।

बांग्लादेश में 22 जनवरी से चुनाव प्रचार शुरू, 12 फरवरी को वोटिंग

ढाका। बांग्लादेश में चुनाव प्रचार की तारीखों को ऐलान हो गया है। देश में कड़ी सुरक्षा के बीच 22 जनवरी से प्रचार अभियान की शुरूआत की जाएगी। जबकि वोटिंग की तिथि 12 फरवरी है। ऐसे में जानिए बांग्लादेश के आम चुनावों का पूरा शेड्यूल...

बांग्लादेश आम चुनावों की तैयारियों में जुट गया है। देश में चुनाव प्रचार 22 जनवरी से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू होगा। हालांकि अंतरिम सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में हिस्सा नहीं ले सकेगी।

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहला चुनाव

दरअसल, बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं, जो कि अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहले चुनाव होंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार संशोधित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक रिटर्निंग अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील का निपटारा 10 से 18 जनवरी के बीच किया जाएगा।

वहीं उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। मतदाता 21 जनवरी को उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे और चुनावी चिन्ह आवंटित करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव प्रचार 22 जनवरी से शुरू होगा और 10 फरवरी को सुबह 7:30 बजे तक चलेगा। मतदान 12 फरवरी को सुबह 7:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगा।

मुहम्मद यूनुस का दावा-12 फरवरी को ही होंगे चुनाव

चुनाव आयोग 22 जनवरी से 8 लाख से अधिक पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण देना भी शुरू करेगा। चुनाव प्रशिक्षण संस्थान (ईटीआई) के महानिदेशक मुहम्मद हसनुज्जमान ने बुधवार को बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 फरवरी तक जारी रहेगा। मंगलवार को मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी सरकार 12 फरवरी को निर्धारित समय पर आम चुनाव और जनमत संग्रह कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव का दावा

मुख्य सलाहकार ने अपने बयान में कहा था कि चाहे कोई कुछ भी कहे, चुनाव 12 फरवरी को ही होंगे - एक दिन पहले नहीं, एक दिन बाद नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगा और उत्सवपूर्ण माहौल में आयोजित किया जाएगा। याद दिला दें कि मुख्य सलाहकार ने ये टिप्पणियां तब सामने आई, जब अमेरिका के दो पूर्व वरिष्ठ राजनयिक अल्बर्ट गोम्बिस और मोर्स टैन से मंगलवार रात ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार चुनावों के दौरान पूरी तरह से तटस्थ रहेगी, जिससे निष्पक्ष प्रशासन और सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे।

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 29 लोगों की मौत; 30 घायल

थाईलैंड। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निमार्णाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 29 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है।

स्थानीय पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 29 हो गया।

हादसे का शिकार हुई रेलगाड़ी उबोन रतचथानी प्रांत जा रही थी। निमार्णाधीन हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट का काम चल रहा था, जिस पर क्रेन काम में लगी थी, जब वहां से ट्रेन गुजर रही थी, तभी क्रेन वहां से गुजर रही ट्रेन पर गिर गई।

क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्त ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट बंद

सड़कों पर सैनिक

कंपाला। युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। इसी के साथ जनता को सड़कों पर सैनिक का समना करना पड़ रहा है। ऐसे में अफ्रीकी देश के अंदर निष्पक्ष मतदान बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है।

अफ्रीकी देश युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन निष्पक्ष मतदान एक बड़ी चुनौती बनती नजर आ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि गुरुवार (15 जनवरी) को होने वाले मतदान से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है। इसी के साथ सड़कों पर जनता को सैनिकों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे विपक्ष की चिंताएं बढ़ती नजर आ रही है। इस चुनाव में विपक्षी नेता बॉबी वाइन और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी एक बार फिर आमने-सामने है। युगांडा के लोग राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए तैयार हैं।

सीमा पार भुगतान के लिए करेगा क्रिप्टो का इस्तेमाल

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर लगातार चुनौतियों से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपने सीमा पार भुगतान के लिए स्टेबलकॉइन्स का इस्तेमाल करने के लिए वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ एमओयू किया है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और जैक विटकॉफ ने इस साझेदारी का एलान किया है।

पाकिस्तान ने अपनी आर्थिक चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस्लामाबाद ने बुधवार को अमेरिकी फर्म 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' से जुड़ी एक इकाई के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का मकसद सीमा पार भुगतान के लिए 'स्टेबलकॉइन्स' के उपयोग की संभावनाओं को तलाशना और डिजिटल परिसंपत्तियों के लिए पाकिस्तान को एक प्रमुख बाजार के रूप में स्थापित करना है।

क्या है यह समझौता?

यह समझौता पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और वर्ल्ड लिबर्टी के सह-संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैक विटकॉफ के बीच हुआ। जैक विटकॉफ अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बेटे हैं, जो इस सौदे को कूटनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण बनाता है। पाकिस्तान वर्चुअल एसेट्स रेगुलेटरी अथॉरिटी (ढश्अफ्ध) ने बताया है कि वित्त मंत्रालय ने 'एससी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज एलएलसी' के साथ इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल की एक संबद्ध इकाई है।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री समझौते पर क्या बोले?

इस अवसर पर वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने भविष्य की वित्तीय प्रणालियों में नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों के साथ कदम मिलाकर चलना है। मंत्री के अनुसार, सरकार का ध्यान ₹विश्वसनीय वैश्विक खिलाड़ियों के साथ जुड़ने, नए वित्तीय मॉडलों को समझने और यह सुनिश्चित करने पर है कि नवाचार हमेशा नियामक ढांचे, स्थिरता और राष्ट्रीय हित के अनुरूप हो। बैठक के दौरान विटकॉफ ने वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ सुरक्षित, अनुपालन-योग्य और पारदर्शी डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे पर भी विस्तृत चर्चा की। इसमें विशेष रूप से सीमा पार निपटान और विदेशी मुद्रा प्रक्रियाओं में नवाचार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

पीवीएआरए के अनुसार, यह एमओयू वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और पाकिस्तान के बीच लंबी बातचीत के बाद हुई है।

ईरान में उग्र प्रदर्शनकारियों पर नकेल कसेगी सरकार अदालत में त्वरित सुनवाई और फांसी के संकेत

तेहरान। ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच वहां की न्यायपालिका ने गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तेज सुनवाई और फांसी के संकेत दिए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है।

कार्रवाई तुरंत और तेजी से करें- मुख्य न्यायाधीश

ईरान के मुख्य न्यायाधीश घोलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने बुधवार को सरकारी टीवी पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि यदि कोई कार्रवाई करनी है तो उसे तुरंत और तेजी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा अगर किसी काम को दो-तीन महीने बाद किया जाए, तो उसका असर नहीं रहता। अगर कुछ करना है, तो तुरंत करना होगा।

अब तक 2,571 लोगों की मौत

मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अब तक कम से कम 2,571 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बीते कई दशकों में ईरान के किसी भी आंदोलन से कहीं अधिक है और 1979 की इस्लामी क्रांति के समय की स्थिति की याद दिलाता है।

प्रदर्शनकारियों को फांसी दी, तो अमेरिका बहुत कड़ी कार्रवाई करेगा- ट्रंप

गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर ईरान ने प्रदर्शनकारियों को फांसी दी, तो अमेरिका बहुत कड़ी कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप पहले भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की मौत को लेकर ईरान को चेतावनी दे चुके हैं।

ईरान की न्यायपालिका ने देशभर में गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तेज सुनवाई और फांसी के संकेत दिए हैं। ट्रंप की चेतावनी के बावजूद सख्त रुख जारी है, अब तक 2571 लोगों की मौत की रिपोर्ट है।

इस बीच, ईरान में इंटरनेट बंदी के बीच प्रदर्शनकारियों को राहत देते हुए स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट के मुफ्त सेवा देने की खबर सामने आई है। कार्यकताओं का कहना है कि यह सेवा पूरी तरह काम कर रही है और इंटरनेट ब्लैकआउट को पार करने में मदद कर रही है। हालांकि, ईरानी सुरक्षा एजेंसियां कथित तौर पर स्टारलिंक डिश की तलाश में छापेमारी भी कर रही हैं। तेहरान के कई इलाकों में अपार्टमेंट्स की जांच की जा रही है।

अग्निकांड के बाद भवन रखरखाव-सुरक्षा कानूनों में बदलाव की पहल

उल्लंघन-दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हांगकांग। हांगकांग में आग त्रासदी के बाद सरकार ने बड़े बदलाव की तैयारी की है। भ्रष्टाचार रोकने और इमारतों को सुरक्षित बनाने के लिए नए और सख्त नियम लाए जा रहे हैं। प्रशासन ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और निगरानी की कमियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके।

हांगकांग में हुई आग त्रासदी के बाद अधिकारियों ने बुधवार को इमारतों की मरम्मत और आग से सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। यह फैसला नवंबर में लगी भीषण आग के बाद लिया गया है। उस हादसे में कम से कम 161 लोगों की जान गई थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे।एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सात टावरों में फैली इस आग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इमारतों की मरम्मत में भ्रष्टाचार, लापरवाही और सरकारी निगरानी में कमी की बात सामने आई है। इससे हांगकांग के नेता जॉन ली और बीजिंग की शासन प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई चुनी गई विधायिका की पहली बैठक में जॉन ली ने कहा कि इस घटना ने सुधार की जरूरत को उजागर किया है। उन्होंने वादा किया कि पुलिस और एक जज की अध्यक्षता वाली स्वतंत्र समिति इसकी पूरी जांच करेगी। ली ने कहा, ₹हम निष्पक्ष रूप से जवाबदेही तय करेंगे। तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। चाहे वे सरकार के अंदर हों या बाहर, जूनियर हों या सीनियर, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए नया प्लान

इसके साथ ही बोली में धांधली रोकने के लिए प्रशासन ने नया तरीका सुझाया है। अब 'अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी' घर मालिकों को ठेकेदार चुनने में मदद करेगी। अधिकारियों ने सलाहकारों और ठेकेदारों की एक लिस्ट बनाने की योजना बनाई है। यह लिस्ट उनके काम की जांच और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर बनेगी। अथॉरिटी घर मालिकों को टेंडर और बोली लगाने की प्रक्रिया में भी मदद करेगी।

सुरक्षा के लिए नए नियम

सरकार ने बड़े मरम्मत कामों की निगरानी के लिए किसी तीसरे पक्ष के पेशेवर को रखना जरूरी बताया है। आग बुझाने वाले उपकरणों को बंद करने से पहले फायर डिपार्टमेंट की मंजूरी लेनी होगी। साथ ही, किसी भी निर्माण स्थल पर धूम्रपान पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव दिया गया है। धूम्रपान पर रोक से जुड़े कानून में बदलाव के प्रस्ताव अगले कुछ हफ्तों में समीक्षा के लिए पेश किए जाएंगे। अधिकारी अभी अन्य सुझावों पर अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी के साथ चर्चा कर रहे हैं।

घटिया सामग्री बनी आग का कारण

अधिकारियों ने बताया कि वांग फुक कोर्ट अपार्टमेंट में मरम्मत के दौरान घटिया जाली और फोम बोर्ड का इस्तेमाल हुआ था। यही नवंबर में लगी आग का कारण बना। उन्होंने यह भी माना कि कुछ फायर अलार्म जांच के समय काम नहीं कर रहे थे। राजनीतिक विश्लेषकों को चिंता है कि यह त्रासदी हांगकांग में सिर्फ एक शुरूआत हो सकती है। ऊंची इमारतों वाले इस शहर में बोली में धांधली और खराब सामग्री के इस्तेमाल का शक है।

'अमेरिकी नियंत्रण से कम कुछ भी नामंजूर', ग्रीनलैंड पर ट्रंप की दो टूक

वाशिंगटन। अमेरिका-ग्रीनलैंड विवाद के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। इसी के साथ ट्रंप ने नाटो को लेकर कहा कि उसे मदद करनी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर नजर है, जिससे ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर यूरोपीय देशों और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ चुका है। इस बीच एक बार फिर ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मंशा जाहिर की है। बुधवार (14 जनवरी) को ट्रंप ने साफ कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का नियंत्रण न होना अस्वीकार्य है। ट्रंप का यह बयान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के डेनिश और ग्रीनलैंड के अधिकारियों के साथ बातचीत करने से कुछ घंटे पहले आया है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की दो टूक, जानिए क्या कहा

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि नाटो को अमेरिका को ग्रीनलैंड हासिल करने में मदद करनी चाहिए और अमेरिकी नियंत्रण से कम कुछ भी अस्वीकार्य है। सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट में ट्रंप ने अपने इस तर्क को दोहराया कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है।

उन्होंने आगे कहा कि इसे हासिल करने के लिए नाटो को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए और वरना रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, 'ग्रीनलैंड के अमेरिका के हाथों में आने से नाटो कहीं अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बन जाएगा। इससे कम कुछ भी अस्वीकार्य है।

दरअसल, ग्रीनलैंड जो नाटो सहयोगी डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है, उस पर ट्रंप अपना अधिकार जताने पर अड़े हैं, जबकि ग्रीनलैंड लगातार अमेरिका इस मंशा का विरोध करता आ रहा है। वहीं व्हाइट हाउस ने ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जा करने की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया है। जेडी वेंस बुधवार को वाशिंगटन में डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन और उनके ग्रीनलैंड के समकक्ष विवियन मोट्जफेल्ड से ग्रीनलैंड के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मुलाकात करेंगे।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

पेयजल गुणवत्ता पर निगम का महाअभियान
1420 स्थानों पर हुई ओटी टेस्ट के माध्यम से जांच

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम द्वारा शहर में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा महाअभियान लगातार जारी है। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद के नेतृत्व में बीते 10 दिनों में जलकल, जल निगम और खाद्य एवं सफाई निरीक्षक टीमों की ओर से 1420 स्थानों पर ओटी टेस्ट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच की गई। इंदिरापुरम सहित सभी पांचों जोन में घर-घर जाकर पेयजल में क्लोरीन की मात्रा की भी जांच की गई। संबंधित रिपोर्ट महाप्रबंधक द्वारा समस्त अभियंताओं को प्रस्तुत की जा चुकी है। यह अभियान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है।

ओवरहेड टैंक व वॉल चैंबर की सफाई पूरी

करंट क्राइम : अभियान के दौरान 42 ओवरहेड टैंक और 21 वॉल चैंबर की सफाई का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा नियमित वॉल चैंबर व एयर वॉल चैंबर की सफाई भी निगम की जलकल टीम द्वारा कराई जा रही है। पीने के पानी की गुणवत्ता सुधारने के साथ-साथ शिकायतों के आधार पर 148 लीकेज पॉइंट्स को भी ठीक कराया गया है। साथ ही कई स्थानों पर डी-सिल्टिंग का कार्य भी पूरा किया गया।

अगले 7 दिनों में अभियान तेज, आरडब्ल्यूए व पार्षद होंगे साथ

करंट क्राइम : अगले सात दिनों के लिए निगम ने अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया है। इसके तहत क्षेत्रीय पार्षदों व आरडब्ल्यूए के साथ समन्वय बढ़ाते हुए पांचों जोनों में पुनः जल गुणवत्ता जांच की जाएगी। मलिन बस्तियों में विशेष कार्रवाई चलाने की योजना भी बनाई गई है। आवश्यकतानुसार क्लोरीन जांच, उपकरणों की सफाई व पाइपलाइन निरीक्षण भी किया जाएगा। कई स्थानों पर पुरानी जल पाइपलाइन बदलने की योजना भी तैयार की गई है, जिसमें विशेष रूप से विजयनगर क्षेत्र में पाइपलाइन बदलने का कार्य प्रस्तावित है।

ट्रोनिका सिटी में ऑटो में मिला
अज्ञात शव, पुलिस शिनाख्त में जुटी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के अगरौला इलाके में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब खाली पड़ी जगह पर एक जली हुई ऑटो रिक्शा बरामद हुई। ऑटो के भीतर से एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ शव भी मिला है। देखते ही लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। शिनाख्त के लिए पुलिस हर संभावित प्रयास कर रही है और फील्ड यूनिट की मदद से महत्वपूर्ण सुराग जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि जल्द ही मृतक की पहचान स्थापित कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि घटना गंभीर है और मृतक की पहचान के साथ-साथ घटना की पूरी परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि क्यों मचा रहे हो इतना शोर? अगर रूद्र सा प्रताप रखने वाले त्यागी जी ने कर दिया विधायक जी का फोटो इग्नोर? आप देखो आस-पास की विधानसभा का भी फसाना? वहां पर भी विधायक जी का फोटो कहां लगाते हैं मिस्टर कसाना? कहने वाले ने कहा ऐसा ही होता है राजनीति का तराना? जब होती है दावेदारी तो जरूरी हो जाता है प्रमुख दावेदार का फोटो हटाना? अगर हो हिम्मत समर्थकों में तो अपने होर्डिंग पर रूद्र भैया का फोटो लगाकर दिखाना?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि देखते ही बन रहा है मंत्री कश्यप जी के प्रति भगवागढ़ के महामंत्रियों का प्यार? पहले पप्पू भैया जन्मदिन के प्रचार में आये? फिर गौतम साहब ने दिखाया मोहब्बत-ए-दिल का इजहार? कहने वाले ने कहा इसके बादवजूद भी टूटी नहीं ये चेन? गोपाल जी ने भी कर दिया बर्थडे के इन्वीटेशन को प्रमोट? वो भी नहीं रखना चाहते थे खुद को बेचैन? सवाल ये है कि चौथे महामंत्री त्यागी जी ने नहीं ली इस मामले में कोई भी पेन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं घूम रहा था सरकारी कार्यालय पर? वहां पर एक आम आदमी लेकर घूम रहा था अपने काम की अर्जी? मैंने देखा उसके हाथ में अलग से थी पूर्व सांसद के नाम की पर्ची? जैसे ही ये पर्ची उसने भेजी अंदर अधिकारी के पास? एक झटके में अंदर से बाहर आई उस आदमी को अंदर बुलाने की आवाज? सच बताऊं पूर्व सांसद के नाम की पर्ची का जलवा मचा रहा था कोहराम? अधिकारी ने मुस्कुराकर, कर दिया एक झटके में फरियादी का काम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि लगता है गर्ग साहब के प्रति पूर्व पार्षद का जाग गया है लव? हम देख रहे हैं वो लगातार अपने आयोजन को लेकर गर्ग साहब की उपस्थिति का दे रहे हैं पैगाम? जैसे उन्हें उम्मीद है कि उनकी मौजूदगी के बिना पूरा ही नहीं होगा प्रोग्राम? कहने वाले ने कहा देखना अब ये है कि पूर्व पार्षद के इस प्यार पर क्या आता है गर्ग साहब का रिप्लाई? देखना अब ये है कि वो इस आयोजन में देगें भी या नहीं देंगे दिखाई?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि कहां आप महामंत्रियों के मंत्री जी के बर्थडे वाले प्रचार वाले सिस्टम पर अड़े हुए हो श्रीमान? ये तो मंत्री जी का ही किरदार ऐसा है कि हर कोई जोड़ना चाहता है उनसे अपना नाम? आप अगर उनके इन्वीटेशन वाले कार्ड पर दोगे ध्यान? तो वहां पर निवेदकों वाली लिस्ट में आपको नजर आयेगा भगवा योद्धा का भी नाम? कहने वाले ने कहा मंत्री जी की मुस्कान ही है सबसे बड़ी पहचान? जो भी हो वो जोड़ना चाहता है उनके साथ अपना नाम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम चाहते हैं संगठन वालों से इस बात की जानकारी? कौन महिला नेता संभाल रही है इस वक्त महिला मोर्चा की जिम्मेदारी? हमें पता है कि कुछ कारणों से दो प्रमुख चेहरे जिम्मेदारी से है दूर? तीसरा चेहरा कौन सा है, कम से कम बता तो दो हुजूर? अगर कर दोगे किसी महामंत्री या उपाध्यक्ष के लिए ये जिम्मेदारी आम? देखना आधी शक्ति में भी जायेगा इस बात का मजबूत पैगाम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम चाहते हैंआप हमारा पहुंचा दो साईकिल वाले भैया तक पैगाम? उनसे आदेश करा दो कि वो करा दें यहां पर दावेदारों से अलग-अलग जनसभा वाला प्रोग्राम? सपा नेता अभिषेक गर्ग, सिकन्दर यादव, विशाल वर्मा में से जो दे दे मजबूत भीड़ का संदेश? बस विधानसभा में उतार दिया जाये उसी का फेस? हमें पता है अगर ये चैलेंज आया तो ये तीनों कर लेंगे स्वीकार? चौथे का नाम हमने इसलिए नहीं लिया? क्योंकि उनका तो सम्मेलन ही हुआ था उनकी ही विधानसभा से बाहर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि एसआईआर अभियान के अभी नहीं, बाद में दिखाई देंगे साईड इफैक्ट? सुना है पार्टी ने 12 प्रेजीडेंट की वर्किंग को लेकर नहीं दिया है ठीक वाला रिएक्ट? पता चला है इन 12 में से चार अध्यक्षों का वेस्टर्न यूपी में है बेस? अंदरखाने देने वाले दे रहे हैं कुछ इसी तरह का संदेश? कहने वाले ने कहा जब आयेगी कुछ प्राप्त करने की बेला? तब बाहर निकाले जायेंगे एसआईआर अभियान के ये वाले केस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हाउस टैक्स पर मैं बता रहा हूं आपको अंदर की बात? जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर हैं इसलिए खामोश? इसके पीछे कोई बड़ा कारण है साहब? हमने सुना है ऊपर से ही कर दिया है किसी बड़े चेहरे ने इनको म्यूट? जब तक नहीं आता कोर्ट का डिसीजन? तब तक स्वीकार करते रहें छूट? कहने वाले ने कहा मेरी हो रही थी जिस चेहरे से ये बात? वो बहुत कम बोलता है झूठ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आज अगर जनरली साहब के पास होती सांसद वाली जिम्मेदारी? सच बता रहे हैं पूर्व मंत्री जरूर हाउस टैक्स वाले मैटर पर चलाते कुछ ना कुछ आरी? मगर हम देख रहे हैं कि वो खुलकर मौजूदा वाले दो जनप्रतिनिधियों को नहीं ले रहे हैं निशाने पर? हम तो लगातार कर रहे हैं उनके मैटर का इंतजार? जो भी हो वो जब कहने पर आते हैं तो कोई कसर नहीं छोड़ते हैं? बस अब इन जनप्रतिनिधियों को लेकर हैं हमें उनके शब्दों का इंतजार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

भाजपा की महिला राजनीति के चेहरों ने हमेशा की है मेहनत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा की महिला राजनीति की बात दैनिक करंट क्राइम ने की थी और कई महिला नेताओं के नाम प्रकाशित किये थे। उनके बारे में बताया था इन महिला नेताओं ने भाजपा के लिए मेहनत की है। ये पार्टी की समर्पित कार्यकर्ता हैं।

दैनिक करंट क्राइम ने यह भी छापा था कि यथासंभव नाम दिये जा रहे हैं और यदि कोई नाम इस लिस्ट से रह जाता है तो उस नाम को भी प्रकाशित किया जायेगा। सभी के योगदान का उल्लेख किया जायेगा। दैनिक करंट क्राइम अपने वचन पर कायम है और जिन महिला नेताओं के नाम उस अंक में रह गये हैं उनको लगातार प्रकाशित कर रहा है। इसी कड़ी में आज भाजपा की महिला नेता रचना जोशी और पूनम चौधरी के बारे में बता रहे हैं।

हमेशा सक्रिय राजनीति के साथ उठाया है पार्टी का झंडा

एक दशक से अधिक पुरानी कार्यकर्ता हैं रचना जोशी

करंट क्राइम। रचना जोशी भाजपा की एक ऐसी कार्यकर्ता हैं जिनका भाजपाई शिजरा 12 साल पुराना है। लगातार पार्टी के सभी कार्यक्रमों में एक्टिव रहती हैं। पार्टी के प्रति समर्पण है और हमेशा अनुशासन और विनम्रता दोनों का समन्वय बनाकर काम करती हैं। ऐनीमल लवर हैं और भाजपा की समर्पित कार्यकर्ता हैं। हर आयाम में, हर चुनाव में और पार्टी के हर कार्यक्रम में इनकी सहभागिता दिखाई देती है। रचना जोशी भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी रहीं हैं। वो क्षेत्रीय टीम में एक्टिव हैं। भाजपा की महिला राजनीति का एक सक्रिय और प्रतिष्ठित चेहरा हैं।

चुनाव से लेकर कोरोना काल तक मेहनत की है पूनम चौधरी ने

करंट क्राइम। भाजपा की महिला राजनीति में पूनम चौधरी का नाम पार्टी के समर्पित और पुराने कार्यकर्ताओं में आता है। भाजपा की एक्टिव राजनीति का चेहरा हैं और चुनाव से लेकर कोरोना काल तक उनकी मेहनत दिखाई देती है। पूनम चौधरी वार्ड 36 में रहती हैं और यहां से वार्ड टिकट की दावेदारी में उनका नाम प्रबलता से चला था। पूनम चौधरी ने विधायक तथा कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के चुनाव में यहां की पूरी व्यवस्था को संभाला था। प्रचार से लेकर बूथ तक मेहनत की है और पार्टी प्रत्याशी को बड़ी सफलता यहां से दिलाने में बड़ा योगदान दिया है। इतना ही नहीं पूनम चौधरी ने कोविड काल में बड़ी मात्रा में खुद मास्क बनाये और फिर तत्कालीन महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष पूनम कौशिक के साथ इन मास्क को जरूरतमंद लोगों में वितरित किया। उस दौरान पूनम चौधरी ने जरूरतमंद लोगों के लिए राशन किट की भी व्यवस्था कराईथी। एक भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने बेहद सराहनीय कार्य किया है।

पुलिस ने गणतंत्र दिवस, गुरु रविदास जयंती और महाशिवरात्रि को लेकर जारी किया अलर्ट

16 फरवरी तक लागू धारा-163

गाजियाबाद, करंट क्राइम : आगामी त्योहारों और राष्ट्रीय महत्व के अवसरों को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस कमिश्नरेट ने धारा 163 बीएनएसएस 2023 के तहत सभी थानाक्षेत्रों में 16 फरवरी की मध्यरात्रि तक विशेष निगरानी और रोकथाम लागू करने का आदेश दिया है। यह अलर्ट मुख्य रूप से आने वाले महत्वपूर्ण अवसरों और पर्वों को देखते हुए जारी किया गया है। जिसमें 26 जनवरीः गणतंत्र दिवस, 1 फरवरीः गुरु रविदास जयंती, 12 फरवरीः महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती और

15 फरवरीः महाशिवरात्रि शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि इन अवसरों पर शहर में होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

थानाक्षेत्रों में सतर्कता रहेगी

कमिश्नरेट के सभी थानाक्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी।

व्यक्ति से अनुरोध किया गया है कि वे किसी प्रकार का तनाव, झगड़ा या हिंसा न उत्पन्न करें।

किसी भी प्रकार के अवैध हथियार, वस्त्र या उपकरण ले जाने पर रोक रहेगी।जाम या यातायात में बाधा डालने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक दल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सतर्क नजर रखी जाएगी।

न्यायालय और एनजीटी के आदेशों का हर हाल में पालन सुनिश्चित किया जाएगा। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन पर्वों और अवसरों पर संयम बरतें और किसी भी अव्यवस्था में शामिल न हों। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। पुलिस का कहना है कि यह कदम सभी नागरिकों की सुरक्षा और शहर में शांति बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

शेयर बाजार में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 49 लाख की साइबर ठगी

नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के थाना साइबर क्राइम में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक युवती ने शेयर मार्केट में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर उसे अपने जाल में फंसाया। इसके बाद दोनों के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी। एक दो दिन बाद पीड़ित को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में कई लोग पहले से मौजूद थे। सभी लोग ग्रुप में मुनाफे का स्क्रीनशॉट डाल रहे थे। युवती के कहने पर उसने 49 लाख 26 हजार निवेश कर दिया। बाद में युवती ने संपर्क तोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि राजेश कुमार पुत्र संतलाल निवासी ग्राम लखनावली ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ दिन पहले एक युवती ने व्हाट्सएप पर उनसे संपर्क किया तथा कहा कि अगर वह शेयर मार्केट में इनवेस्ट करेंगी तो उन्हें मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित के अनुसार महिला ने बातचीत के दौरान उन्हें अपने जाल में फंसाया तथा एक ग्रुप से जोड़ा, जिसमें काफी लोग शेयर बाजार से जुड़े हुए दिखाई दे रहे थे। वे लोग अपने मुनाफे की स्क्रीनशॉट भी ग्रुप पर डाल रहे थे।

पीड़ित के अनुसार वह उनके झांसे में आ गया तथा उसने आरोपियों के कहे हुए उनके विभिन्न खातों में 49 लाख 26 हजार रुपया ट्रांसफर कर दिया। पीड़ित के अनुसार उसकी रकम ऐप पर बढ़ी हुई दिखाई दे रही थी।

ठंड का सितम तोड़ेंगे, मानवता से नाता जोड़ेंगे
खोड़ा चेयरमैन मोहिनी शर्मा ने 3 हजार से अधिक जरूरतमंदों को बांटे कंबल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए खोड़ा नगर पालिका की चेयरमैन मोहिनी शर्मा ने एक बड़ी राहत पहल की शुरुआत की है। चेयरमैन ने नगर पालिका के 3000 से अधिक कर्मचारियों, सफाई मित्रों और स्थानीय सभासदों के साथ मिलकर क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में चेयरमैन के साथ सभी वार्डों के सभासद और भारी संख्या में पालिका कर्मचारी मौजूद रहे। वितरण अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि कड़ाके की ठंड में कोई भी असहाय व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे। चेयरमैन ने विशेष रूप से सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना की और उन्हें भी कंबलों का वितरण किया।

हमारा उद्देश्य केवल विकास कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति के सुख-दुख में सहभागी बनना है। इस कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति ठिठुरने को मजबूर न हो, इसी संकल्प के साथ यह अभियान चलाया गया है। खोड़ा नगर पालिका चेयरमैन मोहिनी शर्मा की इस पहल की स्थानीय निवासियों और समाजसेवियों ने जमकर तारीफ की है। लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा समय रहते उठाए गए इस कदम से गरीबों और मजदूरों को बड़ी राहत मिली है।

विदेशी नौकरी के नाम पर साइबर गुलामी रैकेट का भंडाफोड़

नोएडा। नोएडा में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने आज साइबर स्लेवरी के लिए भारतीय युवाओं को विदेश में उच्च पदों पर नौकरी के नाम पर झांसा देकर साइबर अपराधी के पास युवाओं को भेजने वाले एक फर्जी एजेंट को जनपद शामली से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त ने अब तक 6 युवाओं को अपने जाल में फंसाकर जॉब के नाम पर विदेश में बैठे साइबर अपराधियों के हवाले कर चुका है।

अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-73 में रहने वाले एक युवक ने थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कराया था कि विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में थाना साइबर क्राइम नोएडा पुलिस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर भारतीय युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी कर व जाल में फंसा कर विदेश में बैठे साइबर अपराधियों के पास भेजने वाले फर्जी एजेंट शुभम पुंडीर पुत्र अरविंद सिंह निवासी ग्राम भगवान जलालपुर थाना बाबरी जिला शामली को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने अब तक भारत के विभिन्न प्रान्तों के करीब 6 युवाओं को अपने जाल में फंसाकर जॉब के नाम पर विदेश में बैठे साइबर अपराधियों के हवाले कर चुका है।

उन्होंने बताया कि नोएडा सेक्टर-73 निवासी वादी मुकदमा के जांच के दौरान पता चला कि शुभम नाम के व्यक्ति द्वारा विदेश में जॉब दिलाने के नाम पर 80 हजार रुपए लिए गये एवं वादी को एयर टिकट पर थाईलैंड भेजा गया। जहां से वादी को साइबर अपराधियों द्वारा कब्जे में लेकर म्यांमार देश ले जाया गया। जहां पर उसको साइबर स्लेवरी में रखकर दुनिया के विभिन्न देशों के व्यक्तियों को साइबर ठगी के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म, फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिन्डर ऐप आदि के माध्यम से ग्रेटिंग मैसेज भिजवाकर ठगी करायी जाती थी। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के बाद वादी को भारत लाया गया। पीडित की लिखित तहरीर के आधार पर सुसगंत धाराओ में एजेंट के खिलाफ थाना साइबर क्राइम पर अभियोग पंजीकृत कराया गया।

उन्होंने बताया कि वादी द्वारा बताया गया था कि अभियुक्त शुभम से इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क हुआ था और उसने विदेश में थाइलैंड में डाटा एन्टी की जॉब दिलाने के नाम पर 80 हजार रुपए लिए थे।

चिन्टू जी

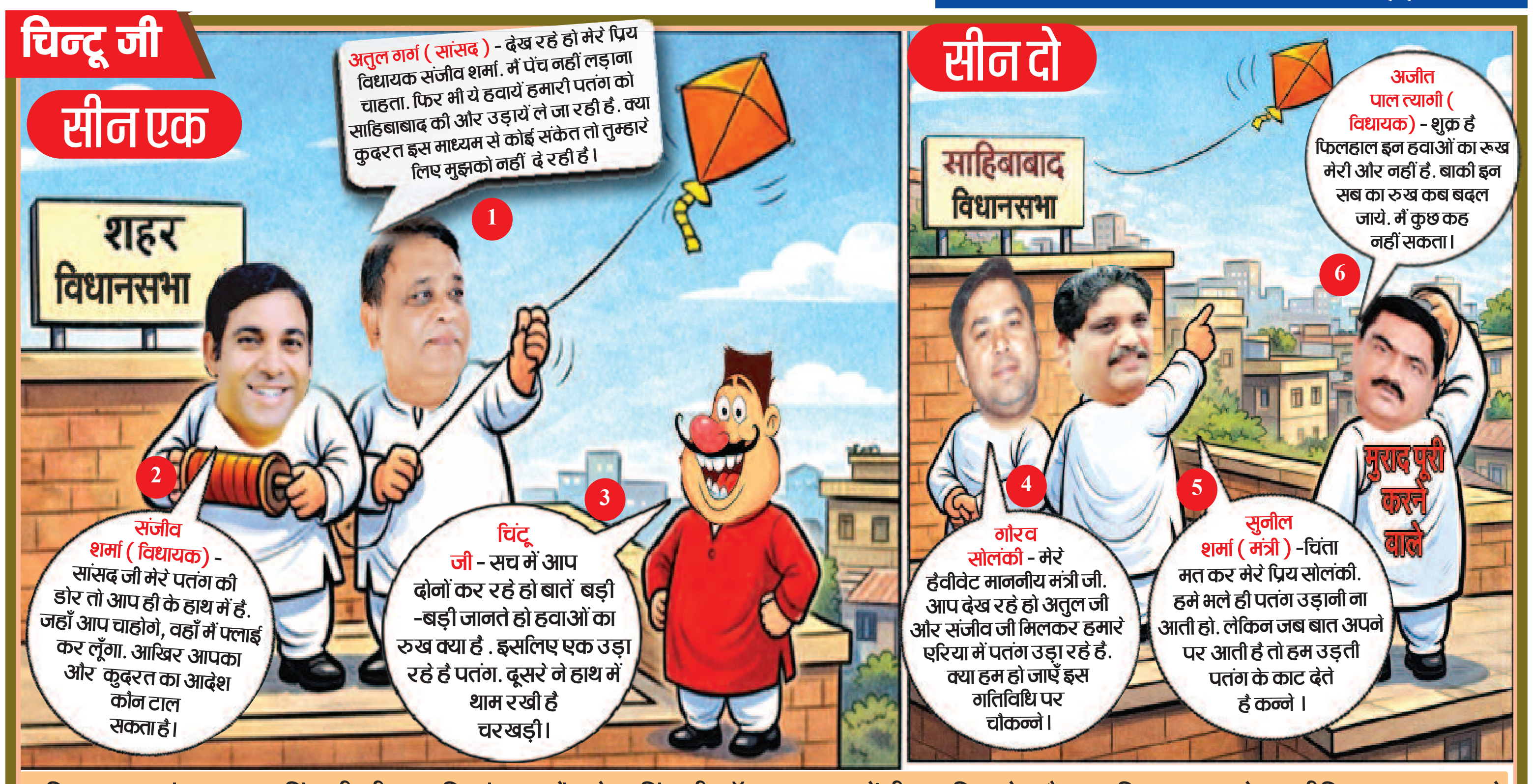

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।